শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 147 | गुवाहाटी | गुरुवार, 26 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

2050 तक भारत बन जाएगा सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश : रिपोर्ट — पेज 2
पानीदिहिंग महोत्सव का शुभारंभ पक्षी अवलोकन से शुरू हुई नई पहल — पेज 3
विपक्षियों की भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली सोच : नायब सिंह सैनी — पेज 5
भारतीय हॉकी को शीर्ष पर ले जाएगा एचआईएल : ललित कुमार उपाध्याय — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दण्डनीति से आत्मरक्षा की जा सकती है।
— आचार्य चाणक्य

राजनीतिक लाभ के लिए आंबेडकर का इस्तेमाल किया

बेशर्म पार्टी है कांग्रेस : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस को *बेशर्म* पार्टी कहा और आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ की खातिर कांग्रेस बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम का इस्तेमाल कर रही है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने नेहरू परिवार के नेताओं के नाम पर अनगिनत योजनाओं को शुरू किया। कई संस्थानों की स्थापना की। मगर बाबासाहेब के नाम पर किसी संस्थान की स्थापना नहीं की। हिमंत विश्वा शर्मा ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि क्या आपने बाबासाहेब के नाम पर एक योजना शुरू की? विश्वविद्यालय तो छोड़िए, क्या उनके नाम पर एक स्कूल का नाम भी रखा? शर्मा ने आगे कहा कि क्या कोई मुझे बता सकता है कि कल से पहले राजीव भवन में बाबा साहेब की कोई तस्वीर थी? मैं 22 साल तक कांग्रेस में था। मैंने राजीव भवन में कभी उनकी कोई तस्वीर नहीं देखी। असम सीएम ने कहा कि कांग्रेस को कोई शर्म नहीं है। जिस पार्टी ने आपातकाल लगाया, संविधान को खत्म किया, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के 46 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने पड़ोसी देश अफगानिस्तान में तालिबान के कई ठिकानों पर मंगलवार रात एयर स्ट्राइक की है। इस हमले में अब तक 46 लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तान के इस हमले में अधिकांश बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इसकी जानकारी तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने दी है। पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

कोकराझाड़ में दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, बड़ा नेटवर्क बेनकाब

कोकराझाड़ /गुवाहाटी (एजे/हिस/विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली। एक वैश्विक आतंकवादी गिरोह से जुड़े स्लीपर सेल के दो संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन संदिग्धों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई संभावित आतंकी हमले को विफल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विशेष पुलिस महानिदेशक (एसडीजीपी) हरमीत सिंह ने बताया कि विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कोकराझाड़ पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार रात नामपारा इलाके में एक ज्वाइंट आ चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। सिंह ने बताया कि एसटीएफ के महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया था, जिसने एक बड़े आतंकी हमले की साजिश को विफल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादी एक बांग्लादेशी गिरोह अंसरुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े हुए थे। यह संगठन -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली चुनाव में उतरा संघ

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी सक्रिय हो चुका है। संगठन पूरी दिल्ली में हजारों छोटी-छोटी बैठकें कर लोगों को विकास के मुद्दे पर जागृत करेगा और एक राष्ट्रवादी सरकार के गठन के लिए लोगों को वोट करने के लिए प्रेरित करेगा। संघ और भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच पार्टी के कार्यालय में हुई एक मीटिंग में इसका खाका तैयार कर लिया गया है। आरएसएस ने इसी तरह की रणनीति हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान भी आजमाई -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग के पतन को बढ़ती अवैध घुसपैठ से जोड़ा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भारत में बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ में तेज वृद्धि पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और इस खतरनाक प्रवृत्ति के लिए पड़ोसी देश में चल रहे आर्थिक संकट और एक समय फलते-फूलते रहे कपड़ा उद्योग के बंद होने को जिम्मेदार ठहराया है। शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश में आर्थिक पतन और उसके कपड़ा क्षेत्र के बंद होने के कारण भारतीय क्षेत्र में अवैध घुसपैठ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हाल ही में, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य ने लगभग 1,500 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अपना काम कर रहा है और यहां असम में भी हम इसी तरह के पैटर्न देख रहे हैं। औसतन, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में आतंकियों के पुल उड़ाने की योजना को सुरक्षा बलों ने किया नाकाम

चूराचांदपुर। हिंसाग्रस्त मणिपुर को दहलाने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय सेना की सक्रियता से साजिशों को नाकाम किया जा रहा है। भारतीय सेना की असम राइफल्स इकाई और मणिपुर पुलिस ने एक गांव में आईईडी की सूचना पर कार्रवाई की और यहां से 3.6 किलो विस्फोटक जब्त किया गया। भारतीय सेना के मुताबिक सेना को सूचना मिली कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के लेसियांग गांव में आईईडी है। इस पर असम राइफल्स इकाई और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। यहां इंफाल-चुराचांदपुर मार्ग पर एक पुल के नीचे 3.6 किलोग्राम विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामान बरामद किया गया। इससे पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुराचांदपुर जिले के तेइजांग गांव में तलाशी अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

सुशासन दिवस पर सीएम ने अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का किया अनावरण

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर बुधवार को राजधानी के आदाबारी स्थित अटल उद्यान में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अटल उद्यान में अटल बिहारी वाजपेयी की एक आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही, वाजपेयी के जीवन और उनके योगदान पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम के तहत छात्रों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अपने संबोधन में क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं से वाजपेयी के लेखों और विचारों को जनता के बीच प्रचारित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि वाजपेयी केवल एक नेता नहीं थे, बल्कि असम के विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। असम आंदोलन के दौरान, जब राज्य में विदेशी घुसपैठ का विरोध किया जा रहा था, वाजपेयी असम -शेष पृष्ठ दो पर

उग्रवाद को खत्म करने के लिए बेहतरीन काम कर रही सीआरपीएफ : शाह

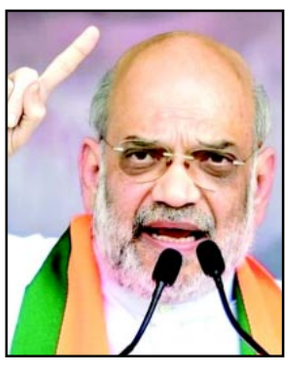

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने नक्सलवाद का मुकाबला करने और जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने के लिए बेहतरीन काम किया है। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने हमेशा से देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति स्थापना सुनिश्चित करने के लिए अहम भूमिका निभाती रही है। गृह मंत्री ने यह बातें सीआरपीएफ मुख्यालय के दौरे के दौरान कहीं। यहां उन्होंने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। शाह ने यहां दुनिया के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल की संचालन और प्रशासनिक -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार में विद्रोही अराकान आर्मी हो रही मजबूत, भारत हुआ अलर्ट

नई दिल्ली। म्यांमार के आंतरिक हालात पिछले दो हफ्तों में और ज्यादा बिगड़ गए हैं। रखाइन प्रांत में जुंटा सैन्य सरकार के पैर काफी हद तक उखड़ चुके हैं और विद्रोही अराकान आर्मी की पकड़ लगातार मजबूत होने की खबर है। इस अस्थिरता का असर बांग्लादेश एवं म्यांमार सीमा पर दिख रहा है क्योंकि बचे-खुचे रोहिंग्याई मुसलमानों की तरफ से नया पलायन शुरू होने का खतरा है। भारत पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सूचना है कि पर्दे के पीछे म्यांमार के दोनों विद्रोही संगठनों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

संसद भवन के पास सुसाइड की कोशिश

शख्स ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नए संसद भवन के सामने एक व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई और घायल को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां बागपत निवासी जितेंद्र का उपचार जारी है। वहीं, शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि जितेंद्र पर वर्ष 2021 में बागपत स्थित एक केस चल रहा है, जिसे लेकर वह काफी समय से परेशान चल रहा था। फिलहाल संसद मार्ग थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, वह 95 प्रतिशत तक झुलसा हुआ बताया जा रहा है। रेल भवन व नई संसद के सामने गोल चक्कर -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने राज्य की बाल संरक्षण नीति को अद्यतन करने का आदेश दिया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को राज्य की बाल संरक्षण और किशोर न्याय प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की स्थिति पर 25 फरवरी, 2025 तक अपडेट प्रदान करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने सरकार को मसौदा नियमों और बाल संरक्षण नीति के लिए अधिसूचना जारी करने, रिक्तियों को भरने और चल रहे सामाजिक लेखा परीक्षा की प्रगति के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया, जिसमें इसके पूरा होने की एक अस्थायी समयसीमा भी शामिल है। न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराना और न्यायमूर्ति अरुण देव -शेष पृष्ठ दो पर

कजाखस्तान में विमान दुर्घटनाग्रस्त, 30 से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली। कजाखस्तान के अक्तौ हवाई अड्डे के पास एक विमान हादसे का शिकार हो गया है। विमान में 62 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हादसे में अब तक 28 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 30 लोगों से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मृतकों की आधिकारिक संख्या अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन हादसे का वीडियो देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि हताहतों की संख्या काफी अधिक होगी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अक्तौ शहर में विमान लैंडिंग के वक्त क्रैश हो गया और आग के गोले में तब्दील हो गया। शुरुआती -शेष पृष्ठ दो पर

नापाक गठजोड़ : पाकिस्तानी आर्मी से ट्रेनिंग लेगी बांग्लादेश की सेना

इस्लामाबाद /ढाका। 53 साल बाद पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश में एंट्री कर चुकी है। इस एक खबर ने खलबली मचा दी है। 1971 में जिस पाकिस्तानी सेना को पूर्वी पाकिस्तान से से खदेड़कर बांग्लादेश का निर्माण किया गया था, अब वही सेना इस देश में नए सिरे से अपना रुतबा जमाने की कोशिश कर रही है। बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य और रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, जिससे भारत के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो सकती है। पाक सेना के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा के नेतृत्व में एक विशेष टीम बांग्लादेश की सेना को प्रशिक्षण देने के लिए फरवरी 2025 में वहां पहुंचने वाली है। पहले चरण में यह ट्रेनिंग मेमनशाही कैंट स्थित आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड (एटीडीसी) मुख्यालय में होगी। यह कार्यक्रम एक साल चलेगा। इसके बाद बांग्लादेश की सभी 10 सैन्य कमांड्स में पाकिस्तानी सेना प्रशिक्षण देगी। जनरल मिर्जा ने नवंबर में बांग्लादेश को यह प्रस्ताव भेजा था। जिसे बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान ने स्वीकार कर -शेष पृष्ठ दो पर

क्रिसमस पर 70 मिसाइलों और सौ ड्रोन से यूक्रेन पर रूस का हमला, आरोप

कीव। रूस ने क्रिसमस पर यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। हमले में एक थर्मल पावर प्लांट क्षतिग्रस्त हो गया और लोगों को क्रिसमस की सुबह मेट्रो स्टेशनों में शरण लेनी पड़ी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक समेत 70 से अधिक मिसाइलों और 100 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि पुतिन ने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस को चुना। इससे ज्यादा अमानवीय क्या हो सकता है। वे यूक्रेन में ब्लैकआउट लाना चाह रहे हैं। रूस सर्दियों को हथियार बना रहा। हमलों पर रूस की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यूक्रेन 50 मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

2050 तक भारत बन जाएगा सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश : रिपोर्ट

नई दिल्ली। प्यू रिसर्च सेंटर की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी होगी। इस समय तक भारत, इंडोनेशिया को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश बन जाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में हिंदुओं की आबादी अभी भी सबसे बड़ी रहेगी, हालांकि उनका प्रतिशत घटेगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में 31 करोड़ मुस्लिम होंगे, जो पूरी दुनिया की मुस्लिम आबादी का 11 प्रतिशत होंगे। इस समय तक भारत में हिंदुओं की आबादी बढ़कर 1.03 अरब हो जाएगी। वर्तमान में इंडोनेशिया में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है। प्यू रिसर्च की स्टडी में कहा गया है कि मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के पीछे उच्च प्रजनन दर और कम उम्र है। मुस्लिमों का औसत आयु 22 साल है, जबकि हिंदुओं का औसत आयु 26 साल है। मुस्लिम महिलाओं के प्रति महिला औसतन 3.2 बच्चे होते हैं, जबकि हिंदू महिलाओं के प्रति महिला औसतन 2.5 बच्चे होते हैं। इस उच्च प्रजनन दर के कारण, भारत में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ेगी। 2010 में मुस्लिम आबादी भारत की कुल जनसंख्या का 14.4 प्रतिशत थी, जो 2050 तक बढ़कर 18.4 प्रतिशत हो जाएगी। भारत में ईसाई आबादी भी है, जो अभी 2.5 प्रतिशत है, लेकिन 2050 तक यह घटकर 2.3 प्रतिशत हो सकती है। वहीं, दुनिया भर में ईसाई धर्म की आबादी में कमी आने का अनुमान है, और अगर यही रुझान रहा तो इस सदी के अंत तक मुस्लिम आबादी ईसाई धर्म से अधिक हो सकती है। प्यू रिसर्च के मुताबिक, मुस्लिम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला धार्मिक समूह है। 2050 तक, दुनिया भर में मुसलमानों की संख्या 73 प्रतिशत बढ़कर 2.8 बिलियन हो जाएगी। अधिकांश मुसलमान एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रहते हैं, जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान और तुर्की शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यूरोपीय देशों में भी मुसलमानों की संख्या बढ़ेगी। 2050 तक यूरोप में कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत मुसलमानों का होगा। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि आने वाले दशकों में मुस्लिम आबादी का तेजी से बढ़ना जारी रहेगा, और भारत दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश बन जाएगा।

अमित शाह ने अधिकारियों को दिए निर्देश, कहा-

अज्ञात शवों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक्स तकनीक अपनाई जानी चाहिए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अज्ञात शवों और लापता लेकिन *ढूंढ लिए गए व्यक्तियों* की पहचान के लिए मंगलवार को बायोमेट्रिक्स तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने आपराधिक जांच के सभी मामलों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी मामलों के लिए पूर्व निर्धारित चरणों में अलर्ट जारी किए जाने चाहिए। पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के फायदे के लिए रजिस्ट्रेशन से लेकर मामले के निपटारे तक की समयसीमा तय की जानी चाहिए। शाह ने कहा कि अज्ञात शवों और अज्ञात व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक्स तकनीक अपनाई जानी चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि पूर्व निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से अलर्ट भेजने से जांच की प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर अपराध और अपराधी पहचान नेटवर्क और प्रणाली (सीसीटीएनएस) 2.0 और आईसीजेएस, नए आपराधिक कानून और राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक के आईसीजेएस 2.0 के साथ कार्यान्वयन और एकीकरण की समीक्षा की गई। बयान में कहा गया है कि चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-समन जैसे अनुप्रयोगों के उपयोग पर जोर दिया।

हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पान बाजार थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम ने अभियान चलाकर हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर पान बाजार थाना क्षेत्र के दो नंबर रेलवे गेट इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान 19 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 25.4 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर की पहचान सुरेश प्रसाद (21, कार्बी आंगलोंग) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एसटीएफ ने हेरोइन के अलावा नगद 190 रुपए जब्त किए। गिरफ्तार आरोपी को एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जंगली हाथी के हमले में वन कर्मी घायल

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिले के सरण इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि एक अस्वस्थ जंगली हाथी को वन विभाग की मौजूदगी में चिकित्सकों की एक टीम ट्रेंकुलाइज कर चिकित्सा प्रदान करने की कोशिश कर रही थी। जिस दौरान जंगली हाथी ने आचानक एक वनकर्मी पर हमला कर दिया। गंभीर अवस्था में वनकर्मी पिंकू बोड़ो को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राज्य में मवेशी चोरों ने मचाया उत्पात

दरंग/नगांव (हिंस)। दरंग जिले के मंगलदोई इलाके से मवेशी चोरों द्वारा तीन मवेशियों की चोरी किए जाने का मामला बुधवार सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलदोई के पुराने बंगालपाड़ा इलाके के मजिद अली और मुजिबुद्दीन अली के घर से मवेशी चोर तीन मवेशी चुराकर ले गए। जिसकी वजह से दोनों परिवार काफी परेशान हैं। दो दिन भी पूर्व मंगलदोई इलाके में मवेशी समेत एक मवेशी चोर को पड़कर पुलिस को ग्रामीणों ने सौंपा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में मवेशी चोरों का उपद्रव काफी बढ़ गया है। रात के समय पुलिस की पेट्रोलिंग नहीं होने का लाभ मवेशी चोर उठा रहे हैं। घटना के संबंध में मजिद अली और मुजिबुद्दीन अली द्वारा स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है। उधर नगांव जिले के जुरिया के शामधरा इलाके में एक व्यक्ति के घर से दो मवेशी चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार जुरिया थाने से महज 2 कीमी दूरी पर स्थित शामधरा गांव के प्रफुल्ल सैकिया नामक व्यक्ति के घर से एक गाय समेत दो मवेशी चुराकर चोर फरार हो गए।

आग में घर जलकर राख

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के बरदलनी बरबाम इलाके में लगी आग के दौरान देखते ही देखते एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया है कि बरदलनी बरबाम दिहिंग्या गांव में आग की जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन की टीम पहुंची स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाए जाने तक दीपांकर बरुवा का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घर में मौजूद काफी धान भी जल कर राख हो गया। बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया।

पृष्ठ एक का शेष

बेशर्म पार्टी है ...

लोकतंत्र की हत्या की, वही कांग्रेस संविधान के नाम पर जुलूस निकाल रही है। अगर उन्हें बेशर्म कहा जाए तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। शर्मा ने कहा कि मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में आंबेडकर जयंती मनाई गई। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने आंबेडकर की प्रतिमा या चित्र पर माल्यार्पण कब से शुरू किया। हिमंत शर्मा ने कहा कि जब बाबासाहेब ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था, तब कहा गया था कि देश को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि आपने दुनिया में सभी को भारत रत्न दिया। मगर बाबासाहेब को क्यों नहीं? आज सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए बाबासाहेब की स्मृति, विचारधारा और बलिदान को हथियार बनाया जा रहा है। शर्मा ने पूछा कि इंदिरा गांधी बाबासाहेब की प्रतिमा पर कब थीं। राहुल गांधी कब गए? क्या उन्होंने कभी देश को बताया कि संविधान बनाने में बाबासाहेब ने क्या भूमिका निभाई थी? क्या कांग्रेस को आज कोई शर्म है? शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नाटक और नौटंकी में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि आपकी नौकरी मुंबई में फिल्म जगत में है। मगर लोगों के दिलो-दिमाग में कभी नहीं रह पाएंगे। लोग अच्छी तरह जानते हैं कि आपने 75 साल तक बाबासाहेब को कैसे नजरअंदाज किया।

कोकराझाड़ में दो संदिग्ध ...

अल-कायदा की भारतीय उपमहाद्वीप शाखा (एक्यूआईएस) के साथ भी संबंध रखता है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह असम और देश के अन्य हिस्सों में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। ऑपरेशन प्रघात के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बहु-राज्यीय इस अभियान का उद्देश्य देश में सक्रिय जिहादी तत्वों को पकड़ना और उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। हाल ही में असम पुलिस ने 17-18 दिसंबर की रात में भी एक बांग्लादेशी नागरिक सहित आठ संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई अंतर-राज्यीय समन्वय और खुफिया जानकारी के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, इन गिरफ्तारियों से न केवल असम बल्कि देशभर में सक्रिय आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले में और गहराई से जांच कर रही हैं। गिरफ्तार संदिग्धों से पूछताछ के बाद और भी खुलासे होने की संभावना है। इस सफलता के बाद असम पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करने की बात कही है।

दिल्ली चुनाव में ...

थी जो बहुत सफल रही थी। अब दिल्ली में भी उसी तरह का मॉडल अपनाने की कोशिश की जा रही है। इसमें मुख्य संगठन के सीधे सामने आने की बजाय अनुषांगिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों को छोटी-छोटी बैठकें करने का निर्देश दिया गया है। ये बैठकें वर्तमान में शुरू की जा चुकी हैं। इसमें स्थानीय स्तर पर लोगों को बुलाकर राष्ट्रीय और सामाजिक महत्व के विषयों की चर्चा की जा रही है। आरएसएस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इन बैठकों में किसी पार्टी या दल के विषय में लोगों से कोई बात नहीं की जा रही है, लेकिन लोगों से राष्ट्रीय, सामाजिक महत्त्व के विषयों को ध्यान में रखते हुए अपने मतदान को करने की अपील अवश्य की जा रही है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष में जिन पांच विषयों को अपना मूल विचार घोषित किया गया है, उसे भी लोगों को बताया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय महत्त्व को ध्यान में रखते हुए मतदान करने से लेकर पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्य तय करने की सोच को प्रमुखता दी जा रही है। संघ के कार्यकर्ता दिल्ली में जिला से लेकर बूथ स्तर तक संगठन की बैठकों को ले रहे हैं और कार्यकर्ताओं को लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं की बैठकों में इस बात का प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि किस वर्ग की बैठकों में भाजपा के कार्यकर्ताओं को कौन से मुद्दे उठाने हैं। संगठन का यह कार्य मतदान के समय तक चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश ...

हम प्रतिदिन 20-25 घुसपैठियों को पकड़ रहे हैं। हालांकि, असली चिंता उन व्यक्तियों की संख्या है जो बिना पकड़े जाने में कामयाब हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने सीमा पर चौकसी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी सीमावर्ती राज्यों के नेताओं से सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि एनईसी की बैठक के दौरान गृह मंत्री ने हमें सीमाओं पर सतर्क रहने की सलाह दी। हमने उनकी सलाह को गंभीरता से लिया है और अपने सुरक्षा नेटवर्क को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। हाल के महीनों में मुख्यमंत्री शर्मा ने अवैध घुसपैठ से उत्पन्न चुनौतियों को लगातार उजागर किया है। सोमवार को असम पुलिस ने 22 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा और बाद में उन्हें वापस खदेड़ दिया, जिससे अवैध घुसपैठ के प्रति राज्य की जीरो-टॉलरेंस नीति उजागर हुई। इसी प्रकार, 28 सितंबर को शर्मा ने घोषणा की कि असम पुलिस ने 17 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस खदेड़ दिया है, जिनमें नौ बच्चे भी शामिल थे, जो अवैध रूप से राज्य में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने घुसपैठ के खिलाफ राज्य के कड़े रुख को रेखांकित किया। अगस्त माह से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से 180 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को असम से वापस भेजा जा चुका है।

मणिपुर में आतंकियों ...

चलाया। यहां से तीन देसी रॉकेट, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, मैगजीन के साथ चार पिस्तौल, छह देसी बम और कम गुणवत्ता वाले विस्फोटक की 45 छड़ें और अन्य कारतूस जब्त किए थे। जबकि लेसियांग गांव में सुरक्षा बलों ने नौ आईईडी और डेटोनेटर जब्त किए। इसके अलावा इंफाल पूर्वी जिले के मारिंग संदांगसेंगबा के साथ नगारियान पहाड़ी पर मैगजीन के साथ एक 7.62 मिमी एलएमजी, एक सिंगल बैरल बंदूक, एक 9 मिमी पिस्तौल और दो ग्रेनेड और अन्य कारतूस भी जब्त किए। वहीं 17 दिसंबर को भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस ने मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के मापीथेल रिज क्षेत्र से 21.5 किलोग्राम वजनी पांच आईईडी बरामद किए थे। बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

सुशासन दिवस पर ...

आए और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। उन्होंने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जनता से संवाद किया। वाजपेयी के कार्यकाल में देश के बजट का 10त्न पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए खर्च किया जाता था। उस समय असम का कुल बजट मात्र 2,500 करोड़ रुपये था। वाजपेयी ने असम के लिए विशेष केंद्रीय अनुदान की व्यवस्था की थी, जो कांग्रेस सरकार के दौरान पंचायत चुनावों के लिए राज्य को नहीं मिल पाया था। उनके कार्यकाल में स्थापित डोनर मंत्रालय ने असम के विकास में अहम योगदान दिया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं के दृष्टिकोण के बिना आधुनिक असम की कल्पना नहीं की जा सकती। वाजपेयी ने हमेशा राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर असम के विकास के लिए काम किया। मुख्यमंत्री ने 2025 को राज्य के लिए नई चुनौतियों का वर्ष घोषित किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत पंचायत और नगर निगम चुनावों से होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भाजपा के 60 लाख सदस्य प्रदेश भाजपा को और मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वाजपेयी के आदर्श हमेशा हमें प्रेरित करते रहेंगे। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल, डॉ. रनोज पेगु समेत अन्य नेता, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भाजपा की पहल पर आज राज्य के सभी भाजपा जिला मुख्यालय, ब्लाक मुख्यालयों में सुशासन दिवस मनाया गया। वहीं प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में भी पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की जयंती पर मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

म्यामांर में विद्रोही ...

ही जुंटा सरकार के साथ भी विमर्श का चैनल खुला रखा गया है। लेकिन हालात जिस तरह से तेजी से बदल रहे हैं उससे भारत के समक्ष दूसरी कई तरह की चुनौतियां आने का खतरा है। इसमें से एक रोहिंग्याई शरणार्थियों के कुछ दलों के भारतीय सीमा की तरफ कूच करने का खतरा ज्यादा बड़ा है। भारत के लिए दूसरा बड़ा खतरा यह है कि म्यांमार की अस्थिरता का फायदा उठाकर कुछ भारत विरोधी तत्व इसकी सीमा से सटे मिजोरम एवं मणिपुर राज्य में सक्रिय होने की कोशिश कर सकते हैं। म्यांमार की स्थिति के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का कहना है कि वहां की गतिविधियों पर हम लगातार नजर बनाकर रखे हुए हैं। म्यांमार के लिए हमारा पक्ष यह है कि वहां पर जितने पक्ष हैं, उन सभी के बीच वार्ता होनी चाहिए, उनके बीच सकारात्मक विमर्श होना चाहिए ताकि शीघ्रता से वहां शांति लौटे और लोकतंत्र की भी बहाली शीघ्रता से हो। वहां की स्थिति का समाधान म्यांमार केंद्रित व म्यांमारी नागरिकों की तरफ से ही तैयार होना चाहिए। म्यांमार के साथ हमारी लंबी सीमा की स्थिति हमारे लिए खास तौर पर चिंता का कारण है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान बहुत ही सधा हुआ है, लेकिन अंदरूनी तौर पर मंत्रालय ने म्यांमार की स्थिति को बेहद गंभीरता से लेते हुए दूसरे कूटनीतिक चैनलों को भी सक्रिय कर दिया है। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को म्यांमार की स्थिति को लेकर सतर्क करने का काम काफी पहले शुरू कर दिया था। एजेंसियों ने म्यांमार में सैन्य विद्रोहियों के पास पहुंच रहे अत्याधुनिक हथियारों के पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय आतंकी संगठनों के पास पहुंचे का खतरा बताया है। यह सूचना भी है कि म्यांमारी विद्रोही संगठन फंड जुटाने के लिए मादक द्रव्यों के कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत की यह भी बड़ी चिंता है। पिछले हफ्ते (19 एवं 20 दिसंबर) म्यांमार की स्थिति पर इसके पड़ोसी देशों की बैंकाक में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने हिस्सा लिया। सूत्रों के मुताबिक भारत समेत अन्य सभी देश इस बात पर सहमत हैं कि म्यांमार सरकार को विद्रोही संगठनों के साथ बातचीत करनी चाहिए। मौजूदा सैन्य सरकार के विदेश मंत्री ने इस बैठक में अगले वर्ष चुनाव कराने का वादा भी किया, लेकिन जिस तरह देश के एक बड़े हिस्से पर विद्रोही संगठनों का कब्जा हो चुका है, उसे देखते हुए इस वादे पर भरोसा करना मुश्किल है। ताजा जानकारी के मुताबिक रखाईन प्रांत के 70 में से करीब 45 शहरों पर विद्रोही सैनिकों का कब्जा हो चुका है। सैन्य सरकार की तरफ से चीन की मदद से हर तरह की कार्रवाई करने के बावजूद विद्रोहियों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है।

शख्स ने खुद को ...

के अंदर इस व्यक्ति ने खुद को आग लगाई। उपायुक्त देवेश कुमार महला के मुताबिक, बुधवार को तीन बजकर 35 मिनट पर यूपी के बागपत निवासी जितेंद्र ने रेल भवन चौराहे पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस कांस्टेबलों ने कुछ नागरिकों के साथ मिलकर तुरंत आग बुझाई। फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस को मौके से दो पेज का आधा जला हुआ नोट मिला है। उधर, जांच में पता चला है कि वह उत्तर प्रदेश के बागपत में अपने खिलाफ दर्ज मारपीट के मामले के कारण परेशान था। जबकि कुछ दिनों पहले वह जेल से जमानत पर बाहर आया था और किसी से मुलाकात करने के सिलसिले में बुधवार सुबह छह बजे ट्रेन से दिल्ली पहुंचा था। यहां पहुंचने के बाद हताश होकर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। अभी तक पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जितेंद्र 95 फीसदी तक जला बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके से सामने आए फुटेज में शख्स के जूते और बैग आदि सामान तक आग से जले नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसे में सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्रिसमस को लेकर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच जितेंद्र पेट्रोल लेकर रेल भवन के गोल चक्कर तक कैसे पहुंच गया। जिस जगह व्यक्ति ने आत्मदाह का प्रयास किया, वहां बैरिकेडिंग कर स्थानीय पुलिस को तैनात कर दिया गया है।

गौहाटी एचसी ने ...

चौधरी की खंडपीठ ने जनहित याचिका (पीआईएल/60/2019) की सुनवाई के दौरान यह निर्देश जारी किया। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि फरवरी 2025 को होने वाली अगली सुनवाई में वह किशोर न्याय बोर्ड के सामने आने वाली बुनियादी ढांचे की चुनौतियों और असम भर में बाल गृहों की स्थितियों की भी समीक्षा करेगी। वरिष्ठ सरकारी अधिवक्ता ने न्यायालय को सूचित किया कि मसौदा बाल संरक्षण नीति और मसौदा असम राज्य किशोर न्याय नियम, 2024 दोनों को कैबिनेट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है और न्यायिक, स्कूली शिक्षा और वित्त विभागों को उनकी प्रतिक्रिया के लिए प्रसारित किया गया है। नीति को आगामी सत्र में कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, अधिवक्ता ने उल्लेख किया कि अगस्त 2024 में स्वप्रेरणा से डब्ल्यूपी(सी) 3/2023 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को मसौदा किशोर न्याय नियमों में एकीकृत करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन नियमों और नीतियों को अंतिम रूप देने के साथ-साथ चयन के बाद नियुक्तियों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। न्यायालय को किशोर न्याय बोर्डों के समक्ष लंबित मामलों को संबोधित करने की असम सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया गया। सरकार आवश्यकतानुसार कुछ बोर्डों की बैठकों को बढ़ाने का इरादा रखती है। न्यायालय ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और सुझाव दिया कि सरकार बैठकों को पुनर्निर्धारित करने पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करे ताकि हितधारकों को प्रस्तावित परिवर्तनों की समीक्षा करने का अवसर मिल सके।

उग्रवाद को खत्म ...

दक्षता की भी समीक्षा की। सीआरपीएफ प्रमुख ने इस दौरान गृह मंत्री को बल के शहीद हुए जवानों के लिए लागू हो रही कल्याण योजनाओं की भी जानकारी दी। इसमें जवानों के परिवार के सदस्य को नियुक्ति देने से जुड़ी योजना भी शामिल है। शाह ने अर्धसैनिक बल के रोजमर्रा के कार्यों में हिंदी का चलन बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि भाषाई एकता को बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा उन्होंने जवानों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए श्री अन्न के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने जवानों को आयुर्वेद के लाभ उठाने और प्रकृति परीक्षण अभियान में हिस्सा लेने के लिए भी कहा। बताया गया है कि अमित शाह के इस दौरे के समय गृह मंत्रालय के सचिव गोविंग मोहन समेत कई वरिष्ठ अफसर भी मौजूद रहे।

कजाखस्तान में विमान ...

रिपोर्टों से पता चला है कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान अजरबैजान से रूस जा रहा था। इस बीच इसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान की ओर से अक्तौ हवाई अड्डे से आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी गई। हालांकि, इस दौरान विमान क्रैश हो गया। इससे पहले समाचार एजेंसी ने मध्य एशियाई देश के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से बताया कि विमान में कुछ लोग जीवित बचे हैं। आपातकालीन सेवाएं मौके पर मौजूद हैं। वहीं, कजाखस्तान की मीडिया ने स्वास्थ्य मंत्री अकमारल अलनाजारोवा के हवाले से बताया था कि एक बच्चे समेत 12 यात्रियों को जीवित बचा लिया गया है। हमने विशेषज्ञों, ट्रॉमेटोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन समेत तमाम बचाव दलों को मौके पर भेज दिया है। एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। हम मौके पर ही सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। दावा किया जा रहा है कि उड़ान भरने वाले एम्ब्रेयर 190 एएचवाई8243 विमान से एक पक्षी टकरा गया। इस वजह से विमान के पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग के लिए अक्तौ एयरपोर्ट से संपर्क किया। हालांकि, इससे पहले कि विमान लैंड कर पाता, वह स्टीयरिंग फेल होने की वजह से क्रैश हो गया और उसमें धमाके के साथ आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है।

नापाक गठजोड़ : पाकिस्तानी...

लिया। यह घटनाक्रम खासतौर पर शेख हसीना की सरकार के बाद के बदले हुए हालात को उजागर करता है, जब से अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ रिश्ते मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। फरवरी 2025 में कराची पोर्ट पर पाकिस्तानी नौसेना के साथ बांग्लादेश का युद्धाभ्यास *अमन-2025* होने वाला है। यह अभ्यास हर दो साल में आयोजित होता है, लेकिन बांग्लादेश पिछले 15 सालों से इससे दूर रहा था। शेख हसीना के शासनकाल में पाक के साथ किसी भी सैन्य अभ्यास पर रोक थी। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने न केवल इस अभ्यास में शामिल होने की सहमति दी है, बल्कि बंगाल की खाड़ी में पाक नौसेना के साथ साझा अभ्यास की तैयारी कर रही है। शेख हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को सीमित रखा था। 2022 में शेख हसीना ने पाकिस्तानी वॉरशिप पीएनएस तैमूर को चटगांव पोर्ट पर लंगर डालने की अनुमति नहीं दी थी। लेकिन वर्तमान अंतरिम सरकार ने न केवल पाक से आने वाले कार्गो को चटगांव पर अनुमति दी है, बल्कि इन सामानों की जांच से भी छूट दे दी है। ढाका और इस्लामाबाद के बीच सीधी फ्लाइट सेवा फिर से शुरू करने की घोषणा हो चुकी है। पाकिस्तानी कार्गो शिप को चटगांव पोर्ट पर बिना जांच प्रवेश दिया गया। बांग्लादेश में वर्तमान बदलावों के पीछे पाकिस्तान की रणनीति नजर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना की सरकार को गिराने और अंतरिम सरकार बनाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश में लंबे समय से पाकिस्तान परस्त ताकतें सक्रिय रही हैं, जो अब खुलकर सामने आ रही हैं। पाकिस्तान की यह चाल भारत के लिए सामरिक दृष्टि से बड़ी चुनौती बन सकती है। बांग्लादेश में पाकिस्तान की बढ़ती उपस्थिति से सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर खतरा बढ़ सकता है, जो भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है। साथ ही, इससे भारत के पूर्वोत्तर में कट्टरपंथी ताकतों के और मजबूत होने की आशंका है। क्या बांग्लादेश एक बार फिर पाकिस्तान के प्रभाव में जा रहा है? मौजूदा हालात इस सवाल को मजबूती से खड़ा कर रहे हैं। पाकिस्तान-बांग्लादेश गठजोड़ भारत के लिए न केवल एक कूटनीतिक चुनौती है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी बड़ी चिंता का विषय बन चुका है।

क्रिसमस पर 70 ...

मार गिराने में कामयाब रहा। जेलेंस्की ने कहा कि खार्कीव में तापमान शून्य के करीब था और पांच लाख लोग बिना हीटिंग सुविधा के रहने को मजबूर हुए। छह लोग घायल हुए हैं। कीव और अन्य स्थानों पर ब्लैकआउट हो गया। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि एक रूसी मिसाइल मोल्दोवन और रोमानियाई हवाई क्षेत्र से गुजरी। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि यह इस साल यूक्रेन के पावर ग्रिड पर 13वां हमला है। डीटीईके के सीईओ ने कहा कि क्रिसमस का जश्न मना रहे लाखों शांतिप्रिय लोगों को रोशनी और हीटिंग सुविधा से वंचित करना घृणित कार्य है, जिसका जवाब दिया जाना चाहिए। अमेरिका की राजदूत ब्रिजेट ब्रिंक ने हमले को रूस का यूक्रेन को क्रिसमस उपहार बताया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि 59 रूसी मिसाइलों और 54 ड्रोन को मार गिराया गया है। रूस ने इस साल वसंत से यूक्रेनी ऊर्जा क्षेत्र पर हमले तेज कर दिए हैं। इससे यूक्रेन की लगभग आधी उत्पादन क्षमता को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि खार्कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने टेलीग्राम पर कहा कि नागरिक गैर-आवासीय बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सुबह से ही रूसी सेना दनिप्रो क्षेत्र पर बड़े पैमाने पर हमला कर रही है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री जर्मन गैलुशेंको ने फेसबुक पर कहा कि रूस बिजली क्षेत्र पर बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है। बिजली आपूर्ति पर रोक लगा दी गई।

पाकिस्तान की एयर...

के अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर हवाई हमले की पुष्टि नहीं की है, सेना के करीबी सुरक्षा सूत्रों ने सुझाव दिया है कि हमला सीमा के पास तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया था। एयर स्ट्राइक के बाद शुरुआत में मरने वालों की संख्या 15 थी। लेकिन अब तालिबानी सरकार के प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि 46 लोगों की इस हमले में मौत हुई है। हमले में मुख्यत: बच्चे और महिलाएं मारी गईं हैं। माना जा रहा है कि अभी मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। ये हमला सीमा के पास तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया था। यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। खासकर अफगानिस्तान में पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी के मद्देनजर यह हमला किया गया है। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। तालिबान जोर देकर कहता है कि वह समूह के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। एयर स्ट्राइक में जिन पर हमला हुआ वे वजीरिस्तानी शरणार्थी नागरिक हैं। जो पाकिस्तान के कबायली इलाकों में सैन्य अभियानों के कारण विस्थापित हुए थे। हालांकि, पाकिस्तान का कहना है कि कई टीटीपी कमांडर और लड़ाके अफगानिस्तान भाग गए हैं। जहां कथित तौर पर सीमावर्ती प्रांतों में अफगान तालिबान द्वारा उनकी सुरक्षा की जा रही है। अफगानिस्तान में टीटीपी आतंकवादियों की मौजूदगी के कारण पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच कुछ समय से तनाव बढ़ रहा है।

समाज सेविका कामिनी लहकर का निधन

रंगिया (विभास)। रंगिया के वार्ड नंबर 5, शांतिपुर निवासी शिक्षिका कामिनी लहकर का एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र 67वर्ष थी। उल्लेखनीय है कि उन्होंने जलतीराम में अपना करियर शुरू किया और सन 2016 में पदुम कुंवरी एमई स्कूल से सहायक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए सेवानिवृत्त हुई। स्व. कामिनी लहकर रंगिया लेखिका समारोह समिति की एक सदस्या भी थी। उनकी मृत्यु पर रंगिया के विधायक भवेश कलिता, रंगिया की सामाजिक संस्था उदयन संघ, रंगिया हिन्दू स्वमशान, विष्णु मंदिर समिति, पूर्व विधायक अनंत डेका ने शोक व्यक्त किया है। मृत्यु के समय स्व. लहकर अपने पीछे दो बेटियां और पति को छोड़कर गई है।

पानीदिहिंग महोत्सव का शुभारंभ पक्षी अवलोकन से शुरू हुई नई पहल

शिवसागर (हिंस)। पानीदिहिंग महोत्सव-2024 का शुभारंभ बुधवार की सुबह पक्षी अवलोकन से हुआ। शिवसागर जिलांतर्गत डिमौ के सरोगुआ क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध पानीदिहिंग पक्षी अभयारण्य में यह महोत्सव पहली बार आयोजित किया गया है। इस अभयारण्य को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विशेष प्रयास किया जा रहा है, जहां हर साल स्थानीय और प्रवासी पक्षियों का आगमन होता है। स्थानीय युवाओं की एक उत्साही टीम ने पानीदिहिंग को एक नई पहचान दिलाने के लिए कई पहल की है। इस महोत्सव में पक्षी अवलोकन के अलावा कैनवास पेंटिंग जैसी आकर्षक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया है। अभयारण्य की शांत और सुरम्य वातावरण ने पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित किया है। बुधवार की सुबह पक्षी विशेषज्ञों के नेतृत्व में टूरिस्ट गाइड और स्थानीय युवा-युवतियों ने पक्षी अवलोकन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह आयोजन पक्षियों के व्यवहार और उनकी प्रजातियों की विविधता को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से प्रचार, प्रसार और संरक्षण के अभाव के कारण पानीदिहिंग पक्षी अभयारण्य को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। लेकिन इस महोत्सव के आयोजन के कारण अब यहां न केवल असम बल्कि देश-विदेश से भी कई पर्यटक और प्रकृति प्रेमी आ रहे हैं। इस पहल से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ अभयारण्य की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा।

दिसपुर में ड्रग्स के 10 पैकेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के खानापाड़ा इलाके में दिसपुर पुलिस ने बुधवार को ड्रग्स बरामद करने के साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दिसपुर पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज करके आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की है। दिसपुर पुलिस ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान दो ट्रकों (एएस-01आरसी-9842 और एनएल-01एई-2571) को पकड़ा गया, जो ड्रग्स लेकर मणिपुर से गुवाहाटी पहुंचे थे। ट्रक संख्या एएस-01आरसी-9842 से ड्रग्स के 10 पैकेट जब्त किए गए। पुलिस मुताबिक नए साल के मौके पर दोनों ट्रकों में भरकर करोड़ों रुपए का नशा शहर लाया जा रहा था। तलाशी के दौरान दो तस्करों राजकुमार और संजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

जोरहाट (हिंस)। जिले के मोरियानी के खारीकटिया चाय बागान के पास ट्रेन की चपेट में आने से बुधवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवसागर के दादुल रहमान के रूप में हुई है। दादुल रहमान का घर शिवसागर के नव अली में है। दादुल रहमान रेलवे विभाग के नवनिर्मित आवास में पेंट का काम करने के लिए आया था। दादुल रहमान की अप रंगिया एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत होने का संदेह है। रेलवे पुलिस की एक टीम मोरियानी से मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जोरहाट मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जेएमसीएच) भेज दिया है।

असम में घुसने की कोशिश कर रहे बांग्लादेशी नागरिक

मुख्यमंत्री बोले, सतर्कता बरतनी होगी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में प्रतिदिन अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिक प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कही। मुख्यमंत्री ने मीडिया के साथ बातचीत करते हुए बताया कि प्रतिदिन 20 से 25 बांग्लादेशी नागरिक असम में प्रवेश करने की चेष्टा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंसक माहौल के बीच उत्पन्न आर्थिक संकट के कारण यह हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी नागरिकों के प्रवेश को लेकर असम को बेहद सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा सरकार ने लगभग 1500 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर वापस भेजा है। इस कड़ी में असम के अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती इलाकों से बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़कर वापस उनके देश भेजा गया है।

पुलिस ने एक ड्रग्स तस्कर को किया गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन और नशीले पदार्थों के साथ एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दक्षिण सालमारा मनकाचर जिले में नशे के खिलाफ अभियान तेज किया है। जिला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रताप दास के नेतृत्व में पुलिस ने आज तड़के एक गुप्त सूचना के आधार पर शालकाटा गोटलापाड़ा गांव में जियारुल मंडल (19) के घर पर छापा मारा। उसके घर से नशीली गोलियां और 170 ग्राम वजन वाले 103 हेरोइन भरे कंटेनर, एक स्मार्ट फोन, बाइक (एएस-17जे-9893) जब्त की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण सालमारा पुलिस आरोपी को पुलिस स्टेशन लेकर पहुंची, जहां पर उससे गहन पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि बीती शाम मानकाचर पुलिस ने जोरडांगा खंड-2 गांव में छापा मारकर बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद कर लकी सरकार नामक महिला को गिरफ्तार किया था।

भारी मात्रा में याबा टैबलेट्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम की टीम ने बुधवार को कामरूप (ग्रामीण) जिले के अमीनगांव इलाके से भारी मात्रा में प्रतिबंधित याबा टैबलेट्स के साथ एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बताया है कि एसटीएफ असम को सूचना मिली थी कि मुस्तफा रहमान नाम का एक व्यक्ति आज सुबह मणिपुर से मादक पदार्थ लेकर आया है और उसे निचले असम के जिले में ले जाएगा। यह भी बताया गया कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार बस बदल रहा है। पुख्ता सूचना के आधार पर, आज सुबह आरोपी को अमीनगांव के पास से पकड़ा और उसके कंधे पर रखे बैग से 20 हजार याबा टैबलेट बरामद किए। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उन्हें जब्त कर लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जंगली हाथी ने कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बालीपार मैलानगांव में जंगली हाथियों के झुंड द्वारा कई घरों को नुकसान पहुंचा जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बुधवार को बताया कि खाद्य की तलाश में जंगली हाथी गांव में प्रवेश कर जमकर उपद्र मचाया। हाथियों द्वारा नेउली सैकिया और राधेश्याम भूमिज के घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। हालांकिए दोनों घर के लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात होते ही खाद्य की तलाश में जंगली हाथियों का झुंड गांव में प्रवेश करता है। इसकी जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसकी वजह से आए दिन जंगली हाथी गांव के आसपास ही आश्रय लेते देखे जा रहे है। स्थानीय लोगों ने जंगली हाथी के झुंड से जल्द से जल्द निजात दिलाए जाने की गुहार वन विभाग से लगाई है।

रेल पटरियों को पार करने से रोकने के लिए पूसीरे उठा रहा कदम

गुवाहाटी (हिंस)। रेल पटरियों को अनधिकृत रूप से पार करने से रोकने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) सक्रिय कदम उठा रहा है। हर साल अनधिकृत प्रवेश वाले स्थानों पर रेल पटरियों को पार करने की कोशिश में कई लोगों की जान चली जाती है। सुरक्षा को और अधिक सुनिश्चित करने के अपने अभियान के तहत, पूसीरे ने पहले ही सभी मानव रहित समपार फाटकों को समाप्त कर दिया है। इसके अलावा, पूसीरे रेल पटरियों को अनधिकृत रूप से पार करने पर रोक लगाने के लिए भी प्रयास कर रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि पूसीरे ने उन संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया है, जहां अक्सर रन-ओवर की घटनाएं होती हैं और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। पूसीरे में चिह्नित कुल 950 अनधिकृत प्रवेश स्थानों में से 809 पर पहले ही बैरिकेडिंग की जा चुकी है, जिनमें तिनसुकिया में 235, लमडिंग में 221, रंगिया में 88, अलीपुरद्वार में 171 और कटिहार में 94 स्थान शामिल हैं। पूसीरे द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों आदि में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता को अनधिकृत स्थानों पर रेल पटरी पार करने से बचने के बारे में शिक्षित कर घातक दुर्घटनाओं को रोका जा सके। 23 दिसंबर को, डिफू और दलदली के बीच

वालिंगदिसा और दलदली गांव के पास एक अनधिकृत प्रवेश स्थान को रेल अधिकारियों द्वारा बंद कर दिया गया था। आरपीएफ अधिकारियों ने इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से मुलाकात की और उन्हें रेलवे के कार्य में बाधा डालने और रेलवे ट्रैक पार करने के कानूनी परिणामों के बारे में बताया। आरपीएफ और विशेष आसूचना शाखा ने स्थानीय ग्रामीणों और वालिंगदासा एवं दलदली गांवों के प्रधानों से मुलाकात की और उनसे अनधिकृत प्रवेश स्थानों को बंद करने का समर्थन करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि पूसीरे, रेल परिसर (रेलवे ट्रैक सहित) में अनधिकृत क्रॉसिंग और प्रवेश को हतोत्साहित करता है और लोगों को रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह देता है। रेल परिसर के अनधिकृत स्थानों में प्रवेश करना दंडनीय अपराध है। आम जनता की खुशहाली और भलाई के बारे में चिंतित होने के कारण रेलवे द्वारा उक्त उपाय किए जाते हैं।

मायुमं, कामाख्या शाखा की कार्यकारिणी और तीसरी आम सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में फैंसी बाजार स्थित गुवाहाटी शाखा कार्यालय में वर्तमान सत्र की 9वीं कार्यकारिणी सभा एवं तीसरी साधारण सभा का आयोजन हुआ। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं वर्तमान शाखा सलाहकार संतोष शर्मा एवं शाखा सरदस्यों द्वारा युवा मंच के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय प्रमोद सराफ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में सचिव द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया व कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय का विवरण दिया। आए हुए पत्रों की जानकारी दी गई व राष्ट्रीय गान के साथ कार्यकारिणी सभा समाप्ति की घोषणा हुई। उसके तत्पश्चात तीसरी साधारण सभा प्रारम्भ

हुई जिसमे सर्व प्रथम असम जातीय गीत गाया गया। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। जिसमे स्पोर्ट्स, शिल्पी दिवस व अन्य कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। अंत में सचिव द्वारा सभा समाप्ति की घोषणा की गई। सभा में सचिव अनुसूया शर्मा, कोषाध्यक्ष खुशबू मोर, पूर्व अध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया, उपाध्यक्ष कविता अग्रवाल, रजनी पगारिया, अरुणा अग्रवाल, अनिशा अग्रवाल, सीमा शर्मा, किरण अग्रवाल, उषा अग्रवाल, ममता सेठी, निष्ठा पोद्दार, चांदनी बैद, जूही पांडे, दीक्षा शर्मा, बबिता अग्रवाल आदि सरदस्याएं उपस्थित थी। ये जानकारी जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पूरे राज्य में क्रिस्मस का त्योहार

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे विश्व के साथ-साथ आज पूरे असम में भी पवित्र क्रिस्मस मनाया गया। यह त्यौहार त्याग और प्रेम के प्रतीक के रूप में आयोजित किया जाता है। ईसाइयों के घर-घर में क्रिस्मस मनाते देखा गया। पूरे राज्य के साथ-साथ गुवाहाटी के सभी चर्चों को खूबसूरत रोशनी और फूलों से सजाया गया। आज चर्चों में विशेष प्रार्थनाओं का आयोजन किया गया। क्रिस्मस के मौके पर लोग उत्साह से सांता क्लॉज, क्रिसमस ट्री, टोपियां और अन्य रंग-बिरंगे उपहार खरीदते नजर आ रहे हैं। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पूरे राज्य के लोगों को क्रिस्मस की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के लोगों को क्रिसमस की बधाई दी। उल्लेखनीय हैं कि, बीटीआर सदर कोकराझाड़ शहर और कोकराझाड़ टाउन स्थित बैपटिस्ट चर्च के साथ-साथ पूरे जिले में धूमधाम के साथ पूरे राज्य में क्रिस्मस मनाया गया। साथ ही विश्व शांति के लिए प्रार्थना, नृत्य, गीत का भी आयोजन किया गया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 28 को

होजाई (निसं)। सामाजिक न्याय व सवलीकरण विभाग, असम सरकार के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद के बैनरतले होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सहयोग से आगामी 28 दिसंबर 2024 बार शनिवार को होजाई जिला के श्रीमंत शंकरदेवनगर में जिला के वरिष्ठ नागरिकों के कल्याणार्थ विनामूल्य एक स्वास्थय जांच व परामर्श शिविर के साथ एक जागरूकता सभा का आयोजन किया जाएगा। उक्त शिविर में होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन और इसके अधिनस्त बारह शाखा द्वारा अनुष्ठित स्वास्थय जांच व परामर्श शिविर में कई वरिष्ठ चिकित्सक के साथ साथ स्वास्थ्यकर्मी द्वारा स्वास्थय परीक्षा के साथ स्वास्थय संबधित परामर्श देंगें। स्वास्थय शिविर के पश्चात दोपहर 12 बजे से श्रीमंत शंकरदेव नगर स्थित सभागृह में एक जागरूकता सभा का आयोजन किया जाएगा। जागरूकता सभा का उद्घाटन जिला आयुक्त विद्युत विकाश भागवती दीप प्रज्जवलितत कर करेंगे। वही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद असम के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप ठाकुरीया, विशिष्ट अथिति के रूप में उपस्थित होगें वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के प्रधान सचिव प्रसन्न कुमार बरठाकुर जो अपना वहुमूल्य वक्तव्य रखेंगे। जागरूकता सभा में सामाजिक जीवन में अपना वहुमूल्य समय देने वाले जिला के पांच वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा। उनमें तरुण चक्रवती, हुसैने अहमद, माधीराम सैकिया, गोपाल बोरा व गहीन चन्द्र हजारिका होगें। वहीं होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा व सचिव अनुप कुमार बरठाकुर ने होजाई जिला के वरिष्ठ नागरिकों से आवाहन किया है कि 28 दिसंबर 2024 को आयोजित स्वास्थय जांच शिविर व जगरुकता सभा में उपस्थित होकर इस का लाभ उठाए व कार्यक्रम को सफल बनाएं।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। जिला के मानिकपुर के भंडारा में पुलिस ने नशा विरोधी अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के दौरान पुलिस ने दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान भंडारा में प्लास्टिक के छह कंटेनरों में भरा ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान जहीरुल इस्लाम खान और सद्दाम हुसैन के रूप में की गई है। दोनों बंगाईगांव जिले के गराईमारी के निवासी बताये गए हैं। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में प्रयुक्त एक वाहन (एएस-19जे-2299) को भी जब्त किया है। पुलिस अधिक जानकारी के लिए गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने मनाया स्थापना दिवस

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने सम्मेलन का 90 वां स्थापना दिवस का पालन दीप प्रज्ज्वलित एवं झंडोतोलन के साथ किया। इसके अंतर्गत नगांव के धिंग रोड स्थित स्वर्गीय मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन प्रांगण में मारवाड़ी सम्मेलन का 90 वां स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगांव के जाने-माने चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉक्टर प्रकाश अग्रवाल उपस्थित थे। शाखा सचिव अजय मित्तल ने उपस्थित समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कि तथा सम्मेलन के इतिहास के बारे में बताया। अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया ने सर्वप्रथम फुलाम गामोछा पहना कर एवं पूर्व शाखा अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया ने जापी पहना कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। तत्पश्चात मुख्य

अतिथि के कर कमलों से झंडोतोलन कर दीप प्रज्ज्वलित के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी पूर्व अध्यक्ष, सलाहकार एवं अन्य सदस्यों ने भी दीप प्रज्ज्वलन में अपनी सहभागिता निभाई। मुख्य अतिथि डॉ. प्रकाश अग्रवाल ने अपने संबोधन में मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा पूर्व में किए गए कार्यक्रमों की जानकारी सभा समक्ष रखी। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव अरुण नागरका द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, अनिल शर्मा, ललित कोठारी, उपाध्यक्ष अजित माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल के साथ जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष विनोद बोथरा, महावीर प्रसाद किला, रतन बगड़िया, दिलीप अग्रवाल, महेश गाड़ोदिया, दिलीप बगड़िया, जगदीश धूत, संजय पोद्दार, मनोज जाजोदिया, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, नगांव राजस्थानी युवक संघ के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार, महेश भजनका, नीतू पोद्दार, रिंकू गिदड़ा, दीपा केजरीवाल, लीना कनोई के साथ समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार के साथ कार्यक्रम समापन हुआ।

रंगिया में अखंड भारत भ्रमण दिव्य ज्योत यात्रा का शुभारंभ आज

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय ढांढणवाली टीडा गेला दादीजी की *दिव्य ज्योत यात्रा* का श्री रथ भारत का भ्रमण करते हुए गुरुवार को सुबह 10 बजे रंगिया पहुंचेगा। स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में *श्री रथ* का स्वागत एवं अल्प विश्राम होगा। वहीं दोपहर 12:15 बजे मंदिर प्रांगण से रंगिया राष्ट्रीय राजमार्ग तक *श्री रथ* को भव्यतापूर्ण शोभा यात्रा के साथ नलबाड़ी के लिए प्रस्थान कराया जाएगा। इस मौके पर श्री टीडा गेला दादी परिवार, रंगिया द्वारा सभी भक्तों से उपरोक्त समय पर उपस्थित होकर अपनी भक्ति एवं सेवाएं अर्पित करने की कामना की गई है।

बोइटामारी में तीन शातिर चोर गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। जिले के बोइटामारी में तीन शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बोइटामारी पुलिस ने तीनों को उस समय गिरफ्तार किया जब ये बीती रात में कायेथपाड़ा में मोबाइल फोन टावरों से आरआरयू (रेडियो रिमोट यूनिट) मशीनों और नेटवर्क के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों की चोरी करने के बाद फरार होने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने चोरों के पास से एक आरआरयू मशीन और एक चार पहिया वाहन (एएस-01बीएम-6455) को जब्त किया है। पकड़े गए चोरों की पहचान उत्तर प्रदेश के नावेद और कायेथपाड़ा के मोइनूर अली के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

संभल खुदाई सभ्यता!

सर्वोच्च अदालत ने सभी तरह की खुदाई, जांच और पुरातात्विक दावों पर रोक लगा रखी है, क्योंकि वह 'उपासना स्थल कानून, 1991' संबंधी याचिकाओं पर विचार कर रही है। दूसरी ओर सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने से बाज आना चाहिए। उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी, मंदिरवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि वह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। रामभद्राचार्य सरीखे संत की टिप्पणी है कि मोहन भागवत उप्र, अजमेर या सनातन धर्म के प्रशासक नहीं हैं। दक्षिणपंथी खेमा ही संघ प्रमुख का विरोध कर रहा है, यह अत्यंत आश्चर्यजनक है। बहरहाल संभल (उप्र) में अब भी खुदाई जारी है। वहां 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। उन दंगों के बाद हिंदुओं ने व्यापक स्तर पर पलायन किया था, लिहाजा आजादी के वक्त हिंदुओं की जो आबादी 45 फीसदी थी, अव वे घट कर मात्र 20 फीसदी रह गए हैं। मुस्लिम आबादी 55 फीसदी से बढ़ कर 80 फीसदी हो गई है। कुछ दिन पहले 46 साल के बाद एक मंदिर खुला था, जहां अब पूजा-सेवा की जा रही हैं। यदि 1978 का दौर याद किया जाए, तो केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरार जी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे। पश्चिमी उप्र के एकछत्र नेता चौधरी चरण सिंह गृहमंत्री थे। जनता पार्टी में ही विलीन 'जनसंघ' के तत्कालीन शीर्षस्थ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी जनता पार्टी सरकार में मंत्री थे। उप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री रामनरेश यादव भी जनता पार्टी के थे। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। सवाल यह है कि 1978 के दंगों की जवाबदेही इन नेताओं की थी अथवा नहीं? इतने पुराने दंगों का संदर्भ अब क्यों उठाया जा रहा है? क्या प्रासंगिकता है? एक पुराना नक्शा जांच के दौरान सामने आया है, जिसके मुताबिक 68 हिंदू तीर्थों और 19 कूपों (कुओं) की खोज की जानी है। अब यह नक्शा संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया के पास है, जिस नक्शे को 'शंभल महात्म्य' कहा जाता है। क्या इन तीर्थों के लिए भी खुदाई और जांच कराई जाएगी? बीते दिनों एक कूप से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली थीं। कुछ खंडित प्रतिमाएं भी मिली थीं। अब संभल में एक प्राचीन बावड़ी सामने आई है। इस समय यह 210 वर्गमीटर में बनी है। बावड़ी को राजा सहसपुर के राजघराने के कुंवर जगदीश सिंह के नाना ने बनवाया था। इसमें कोई सुरंग नहीं है, बल्कि बावड़ी गोलाई में बनी है। बावड़ी में तीन मंजिलें पाई गई हैं। बावड़ी भी खुदाई में सामने आई है। खुदाई करते-करते एक नए भारत, नए उप्र की खोज जारी है। उससे हिंदूवादी सोच प्रगाढ़ होती है, बल्कि उन्माद, सांप्रदायिक विभाजन की संभावनाएं घनीभूत होती हैं।

> उप्र के संभल या राजस्थान के अजमेर में जो हिंदूवादी, मंदिरवादी दावे किए जा रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि वह तबका न तो शीर्ष अदालत की परवाह कर रहा है और न ही सरसंघचालक की नसीहत सुनने, मानने को तैयार है। बल्कि साधु-संतों का एक वर्ग सरसंघचालक के कथन का विरोध करने लगा है। रामभद्राचार्य सरीखे संत की टिप्पणी है कि मोहन भागवत उप्र, अजमेर या सनातन धर्म के प्रशासक नहीं हैं। दक्षिणपंथी खेमा ही संघ प्रमुख का विरोध कर रहा है, यह अत्यंत आश्चर्यजनक है। बहरहाल संभल (उप्र) में अब भी खुदाई जारी है। वहां 1978 के सांप्रदायिक दंगों की आड़ लेकर खुदाई की जा रही है। उन दंगों में 184 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। अधिकांश लोग हिंदू थे। उन दंगों के बाद हिंदुओं ने व्यापक स्तर पर पलायन किया था, लिहाजा आजादी के वक्त हिंदुओं की जो आबादी 45 फीसदी थी, अव वे घट कर मात्र 20 फीसदी रह गए हैं। मुस्लिम आबादी 55 फीसदी से बढ़ कर 80 फीसदी हो गई है। कुछ दिन पहले 46 साल के बाद एक मंदिर खुला था, जहां अब पूजा-सेवा की जा रही हैं। यदि 1978 का दौर याद किया जाए, तो केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरार जी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे।

भागवत का मानना है कि प्राचीन विचारधारा और समावेशी संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र बना। एकता का अर्थ इसकी विविधता को नष्ट करना या एकरूपता कायम करना नहीं है। अब हमें शत्रुता पैदा करने वाले या पुराने संदेहों को जगाने वाले मसलों से परहेज करना चाहिए। यह दुनिया को दिखाएगा कि हम सब शांतिपूर्वक एकसाथ रह सकते हैं। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा नेतृत्व और खासकर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन खुदाइयों के जरिए 2027 के चुनाव की जमीन तैयार कर रहे हैं? खुदाइयां प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण में की जा रही हैं।

भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है

धर्म के प्रति निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर रोकेगा कौन?

कमलेश पांडे

> दूसरों का हित सोचना-करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है। इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए

धर्म और अधर्म के बीच मौजूद सूक्ष्म विभाजन को स्पष्ट करते हुए लोक रचयिता गोस्वामी तुलसीदास महाकाव्य रामचरित मानस में लिखते हैं कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई।' यानी कि दूसरों का हित सोचना-करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है। इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए। चूंकि वह विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है, दुनिया के सबसे पुराने धर्म सनातन धर्म के आधार पर जीवन पद्धति को विकसित करने और प्राणी मात्र की रक्षा करने का वह पक्षधर रहा है, इसलिए उसके रवैए से देश सहित विश्व का जनमत प्रभावित होता है। क्योंकि वह अमूमन तार्किक और लोकहितैषी बातें करता आया है। उसकी शाखाओं की दिनचर्या समाज के लिए भी सेहतमंद साबित होती आई हैं। भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। अब जरा सोचिए, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन यदि वह प्राणी बद्ध/मानव बद्ध पर उदासीन रहता है, कुतर्क करता है तो इसका दोषी सरकार नहीं है तो कौन है? क्योंकि जनता को भी तो जागरूक करना उसी का कार्य है। गाहे बगाहे होने वाले सांप्रदायिक, जातीय, क्षेत्रीय या आपराधिक हिंसा-प्रतिहिंसा की बातों को कुछ देर के लिए विराम भी दे दिया जाए, क्योंकि मानवीय सनक को काबू में रखना किसी भी प्रशासन के लिए जटिल कार्य है। फिर भी इस पर सियासी कारणों से रोक नहीं लगाना भी अधर्म है। वहीं, ऐसी ही हिंसक प्रवृत्ति से जुड़ा एक पूरक सवाल है कि यदि भारत सरकार पशु-पक्षी बद्ध के लिए लाइसेंस जारी करती है या फिर इस तरह की मिलीजुली मानवीय प्रवृत्ति पर खामोश रहती है तो मेरे विचार में वह एक अधार्मिक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही है और इससे उसका प्रशासन भी प्रभावित होगा। मेरा मानना है कि यदि देशवासियों को सही

शिक्षा दी जाएगी, तो पुलिस व सैन्य खर्च में भारी कमी स्वतः आ जाएगी। आज यदि देश की जनता नाना प्रकार की नैतिक-भौतिक त्रासदी से जूझ रही है तो इसके पीछे उसकी धर्मनिरपेक्ष भावना ही है। जिसके चलते देशवासियों को सही शिक्षा की डिलीवरी नहीं हो पा रही है। आश्चर्य होता है कि इसके बावजूद भी हमारे धर्मनिरपेक्ष नेता मदमस्त हैं। वो यह नहीं समझ पा रहे हैं कि हमारे देश में कौन सा धर्म सही शिक्षा दे रहा है और कौन सा धर्म भड़काऊ शिक्षा दे रहा है। इनकी शिनाख्त करके उसे सही राह पर चलने के लिए भारत का प्रशासन विवश नहीं करेगा, तो कौन करेगा। आप धर्मनिरपेक्ष हैं, बहुत अच्छी बात है। लेकिन आप प्रकृति धर्म, प्राणी धर्म और मानव धर्म से निरपेक्ष नहीं हो सकते, क्योंकि इसका सम्मिलित स्वरूप ही राजधर्म है। मनुष्यों को नियंत्रित रखने के लिए किसी न किसी धर्म की जरूरत होती है, जो उन्हें अधार्मिक होने से रोकता है। हिंसक प्रवृत्ति अधार्मिक है, भोगवाद अधार्मिक है, क्योंकि इससे रोग उतपन्न होता है और बढ़ता है। वहीं, अहिंसा, त्याग और सेवा की भावना धार्मिक है, जिसे बढ़ावा देना चाहिए। यह प्राकृतिक गुण है, मानवीय गुण है और प्राणी मात्र के लिए हितैषी है। इस नजरिए से सनातन धर्म/हिन्दू धर्म इसका वाहक समझा जाता है। चूंकि हमारी सरकार धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए वह इन नैसर्गिक गुणों से भी निरपेक्ष होना चाहती है, जो तमाम जन-समस्याओं की जननी है। इसलिए सवाल उठता है कि जिन्होंने हमें हिन्दू राष्ट्र और सनातनी सोच के सपने दिखाए, उन्हें भी जब देशवासियों ने कुछ अच्छा कर गुजरने के मौके दिये तो वो भी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए। क्या सत्ता के दुर्गुणों ने उन्हें भी अपने मायाजाल में फंसा लिया और अब वे दुष्टों के बढ़ते प्रभाव के वशीभूत होकर धर्मनिरपेक्ष होने मतलब अन्याय का समर्थन करने की वकालत कर रहे हैं। सच कहूं तो इससे एक बार फिर से धर्म की सही समझ ज्ञानी जनों के न्याय के कठघरे में खड़ी है। खासकर तब, जब हिन्दू हृदय सम्राट समझे गए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, गत रविवार को अमरावती में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहते हैं कि दुनिया में धर्म के नाम पर जितने भी अन्याय, अत्याचार होते हैं, उनके पीछे धर्म की गलत समझ काम कर रही होती है। याद दिला दें कि इससे पहले बीते सप्ताह ही आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा था कि जगह-जगह मंदिर विवाद खड़े करना ठीक नहीं है। लिहाजा संघ प्रमुख के बयानों के पीछे छिपी चिंता को समझे जाने की जरूरत है। क्योंकि ऐसा करना हालिया घटनाओं की रोशनी में खासा अहम हो जाता है। उन्होंने धार्मिक जटिलता पर ठीक ही कहा कि धर्म बड़ा जटिल विषय है और इसे समझने में अक्सर गलती होने की आशंका बनी रहती है। आखिर कब धर्म की उदार वृत्ति पर संप्रदाय विशेष की संकीर्ण दृष्टि काबिज हो जाती है और कब धार्मिक समावेशिता को सांप्रदायिक कट्टरता ढक लेती है, यह कई बार हमलोगों की समझ में नहीं आता है। आसेतु हिमालय यानी भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में देखा जाए तो बांग्लादेश में हाल के सत्ता परिवर्तन ने कैसे समाज को कट्टरपंथी तत्वों के चंगुल में ला दिया, यह सबके लिए एक ताजा सबक हो सकता है। इससे पहले पाकिस्तान के कट्टरपंथी सोच से हमलोग अवगत और भुक्तभोगी दोनों हैं। कभी उसी का भूभाग रहे बंगलादेश की बदलती घटनाओं और पनपती सोच की हम उपेक्षा नहीं कर सकते। क्योंकि कमोबेश वैसी ही ताकतें हमारे यहां भी सक्रिय हैं। यह खतरा वास्तविक इसलिए भी प्रतीत होता है, क्योंकि ऐसे उदाहरण दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी देखने को मिलते हैं। खासकर एक धर्म विशेष के नाम पर पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में आतंकवाद का जैसा खौफनाक अभियान चला, उसे उस धर्म की सही समझ का उदाहरण कतई नहीं माना जा सकता है। लेकिन संघ प्रमुख की बातें सिर्फ दूसरे देशों के संदर्भ में नहीं कही गई हैं। बल्कि धर्म की गलत व्याख्या के कारण 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का अजेंडा पीछे छूटने का खतरा अपने देश में भी कम नहीं है। इसलिए हमें एकता के सूत्र तलाशने होंगे।

दृष्टि कोण

तख्तापलट के साए में वैश्विक लोकतंत्र

'तख्तापलट' यह लफ्ज सुनने में ही खौफनाक है, लेकिन भारत के हमसाया मुल्कों सहित विश्व के कई देश तख्तापलट का सामना कर चुके हैं तथा सिलसिला बदस्तूर जारी है। तख्तापलट यानी लोगों द्वारा चुनी गई संवैधानिक सरकार तथा संविधान दोनों को सैन्य बलों या बगावती गुटों द्वारा उखाड़ फैंकना। तख्तापलट के बाद मानवाधिकारों की कोई गारंटी नहीं रहती। बंदूकों की हुकूमत के साए में धर्मनिरपेक्षता, शिष्टाचार व नैतिकता जैसे अल्फाज अपनी आबरू बचाने को मजबूर हो जाते हैं। स्मरण रहे लोगों के वोट से चुने गए सियासी हुक्मरान तथा बम, बंदूक व बारूद की असकरी तरबियत से निकले सैन्य तानाशाह की विचारधारा में बहुत अंतर होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा तानाशाही के निजाम में जमीन-आसमान का फर्क होता है। तानाशाही के निजाम में संसद का शोर खामोशी में तब्दील हो जाता है। भारत के पड़ोसी मुल्कों ईरान, चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार व बांग्लादेश में जम्हूरियत का दम घुट चुका है। लोकतंत्र अपना वजूद तलाश रहा है। भू-माफिया चीन, तिब्बत पर कब्जा कर चुका है। भूटान भारतीय सेना के रहमोकरम से सुरक्षित है। कुछ वर्षों से नेपाल व श्रीलंका में वहां के सियासी दल स्थिर सरकार बनाने में नाकाम रहे हैं। वल्ड बैंक के मुताबिक जहां लोग गुरबत, महंगाई व भुखमरी जैसी बुनियादी चीजों से बेहाल हों तथा जिन मुल्कों में मानव विकास सूचकांक काफी कम हो, वहां तख्तापलट की घटनाएं ज्यादा होती हैं। मगर कई मुल्कों में सैन्य जरनैलों की सत्ता हथियाने की सनक ही तख्तापलट का सबब बनी है। तख्तापलट में सबसे रोचक इतिहास पाकिस्तान का है। पाक सैन्य तानाशाहों ने अपने मुल्क के किसी भी वजीरे आजम का कार्यकाल मुकम्मल नहीं होने दिया। म्यांमार के जरनैल 'ने विन' मार्च 1962 में अपने मुल्क में तख्तापलट का पहला मजमून लिखकर 26 वर्षों तक सत्ता पर काबिज हो गए थे। म्यांमार की सेना ने अपनी स्टेट काउंसलर व 'नोबल शांति पुरस्कार विजेता' 'आंग सान सू की' तथा राष्ट्रपति 'विन मिंट' को फरवरी 2021 में सलाखों के पीछे भेजकर अपनी फौजी हुकूमत नाफिज कर दी है। पड़ोसी मुल्क वियतमान के जनरल 'डोंग वान मिन्ह' ने नवंबर 1963 में अपने मुल्क में तख्तापलट को अंजाम देकर स्टेट काउंसलर 'न्गो दीन्ह न्हू' व उनके भाई को हलाक करके सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हालांकि बाद में डोंग वान मिन्ह को भी अमेरिका में शरण लेनी पड़ी थी। हिंदोस्तान की खैरात पर पलने वाले बांग्लादेश की सेना ने सन 1975 में अपने राष्ट्रपति 'शेख मुजीबुर्रहमान' का कत्ल करके तख्तापलट की संगे बुनियाद रख दी थी। सिलसिला बदस्तूर जारी है। चरमपंथ की परवरिश व कट्टरवाद की तालीम वाले मजहबी रहनुमां भी जम्हूरी निजाम में अकीदा नहीं रखते। तख्तापलट की लंबी दास्तान वाले अफगानिस्तान के अंतिम शासक 'राजा मोहम्मद जहीर शाह' के दौरे हुकूमत को अफगानों का स्वर्णिम काल कहा जाता है। सन 1953 में अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री बने 'मोहम्मद दाउद खान' को राजा जहीर शाह ने सन 1963 में बर्खास्त कर दिया था। काबुल के कोर कमांडर रहे 'मोहम्मद दाऊद खान' ने जुलाई 1973 को उसी 'राजा जहीर शाह' का तख्तापलट करके राजशाही का सूर्यास्त कर दिया तथा अफगान गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बन गए थे। राजा जहीर शाह को 29 वर्षों तक इटली में शरण लेनी पड़ी थी। मगर अफगान कम्युनिस्ट रहनुमां 'नूर मोहम्मद तराकी' ने मुजाहिद्दीनों की कयादत में अप्रैल 1978 को मोहम्मद दाउद खान का कत्ल कर दिया तथा खुद अफगान सदर के पद पर काबिज हो गए। 1980 के दशक में चौथे अफगान सदर 'बरबक करमाल' ने चरमपंथी गुटों के खौफ से चेक गणराज्य व चेकोस्लोवाकिया तथा सोवियत संघ जैसे मुल्कों में शरण ली थी। सन 1992 में गुरिल्ला कमांडर 'अहमद शाह मसूद' ने मुजाहिद्दीनों की कमान में काबुल पर हमला करके अफगान राष्ट्रपति नजीबुल्लाह का तख्तापलट कर दिया था। काबुल के 'संयुक्त राष्ट्र परिसर' में शरण ले चुके साबिक सदर नजीबुल्लाह तथा उनके भाई को तालिबानियों ने 27 सितंबर 1996 को हलाक करके उनकी लाशों को ट्रैफिक लाइट के खंबे से लटका दिया था। अमेरिका व सोवियत संघ जैसे ताकतवर मुल्कों की सेनाएं भी अफगान मुजाहिद्दीनों से निपटने में नाकाम रहीं, नतीजतन तालिबान ने काबुल पर कब्जा करके अपना कट्टरपंथी निजाम नाफिज कर दिया। सन 2021 में अफगान सदर 'अशरफ गनी' ने अपना मुल्क छोडक़र 'यूएई' में शरण ली। अगस्त 2024 को बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल हुई वजीरे आजम शेख हसीना को भारत ने शरण दी है। नौ दिसंबर 2024 को विद्रोही गुटों ने सीरिया की सत्ता पर कब्जा करके 'असद' परिवार की पांच दशकों की हुकूमत का सूर्यास्त कर दिया। राष्ट्रपति बशर अल-असद ने रूस में शरण ली है।

कुछ अलग

संकल्पों के पुतले के न्यू ईयरी संकल्प

मित्रो! इस उम्र में संकल्पों का असाध्य गुणी होने के चलते मैं और तो कुछ नहीं करता, न कर सकता। जिसे केवल संकल्प लेने की लत हो, वह और करे भी तो क्यों करे? इसलिए अब हर सुबह बस, बिस्तर पर उठते ही बिस्तर पर अपनी रोगी काया को निरोगी करने के लिए दो चार उल्टी सीधी कसरतें हरकतें करने के बाद पांच सात लंबी लंबी सांसें लेकर लगे हाथ वहीं आए दिन के दो चार मोटे मोटे संकल्प भी ले लेता हूं कि आज मैं संकल्प लेता हूं कि... आज मै संकल्प लेता हूं कि...आज मैं संकल्प लेता हूं...और फिर संकल्पों की ओर से विमुख होकर चाय पीता पीता विकल्प ढूंढने लग जाता हूं। बंधुओ! मेरी कोई बात आपको हैरान करे या न, पर मैं शर्त लगा कर कह सकता हूं कि जो मैं आपको अपने संकल्पों के बारे में सविस्तार बताऊं तो मेरे संकल्प लेने का ओवर कांफिडेंस आपको हैरान नहीं, परेशान करके रख देगा, आपके किसी के ओर से भी लाख मस्त मस्त रहने के बाद भी। मैं चाय में चीनी लूं या न, पर मैं चाय के साथ संकल्प जरूर लेता हूं। यही वजह है कि मुझे शुगर की शुगर तो नहीं, पर सकंल्पों की शुगर बहुत है। मैं परांठे के साथ बटर लूं या न, पर मैं परांठे के साथ संकल्प जरूर लेता हूं। यही वजह है कि मेरे दिल को कोलेस्ट्रोल की शिकयत तो नहीं, पर दिमाग को संकल्पों की कोलेस्ट्रोल की गंभीर शिकायत है। ब्रीफ में, मैं दाल के साथ चपाती लूं या न, पर मुझे दाल के साथ संकल्प लेना बहुत पसंद है। मैं झूठ के साथ सच लूं या न, पर मुझे झूठ के साथ संकल्प लेना बहुत पसंद है। अगर अब मैं ऐसा कहूं कि संकल्प मेरा पैशन है तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। मित्रो! अब मेरे संकल्पों का इतिहास देख संकल्पों के बड़े बड़े जानकार दांतों तले उंगलियां चबा लेते हैं। मेरे संकल्पों के आगे बड़े बड़े संकल्पों के धुरंधर पानी भरते हैं। ये जो मेरा घर आपको संकल्पों से ठसाठस भरा दिख रहा है न, इनमें मेरे बच्चों के कोई संकल्प नहीं। इनमें मेरी बीवी के कोई संकल्प नहीं। ये सब मेरे आज तक लिए किए संकल्प मात्र हैं। आज मैं सीना तान कर कह सकता हूं कि मैं किसी और मामले में रिच हूं या न, पर संकल्पों के मामले में रिचो रिच हूं जी! सोच रहा हूं अब अपने लिए संकल्पों को रखने के लिए किसी से गैरेज किराए पर आसपास ले लूं। किराए की कोई दिक्कत नहीं। नौकरी का दिया बहुत है। दोस्त कह रहे हैं कि नया साल आ रहा है। ऐसे में कुछ ठंडा हो या न, कुछ गर्म हो या न, पर कुछ संकल्प जरूर हो जाने चाहिएं। जो नए साल के आने पर संकल्प न लिए जाएं तो नया साल बंदे से सारा साल नाराज रहता है। अतैव, रे नए साल! तू भी क्या याद करेगा कि तेरे आने पर किसी ने संकल्प लिए थे। ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में सकंल्प लेता हूं कि नए साल से मैं साहब की चमचागीरी बिल्कुल नहीं करूंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और संकल्प लेता हूं कि नए साल से अपनी सीट पर किसी कभी काम करवाने आने वाले से बदतमीजी नहीं करूंगा, उससे धेला भी रिश्वत नहीं लूंगा। उल्टे उसे चाय पिलाकर हाथों हाथ उसका काम करके खुशी खुशी भेजूंगा। हे नए साल ! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए संकल्प लेने वाला संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और सकंल्प लेता हूं कि मैं समाज में अब रीढ़ सीधी कर जीऊंगा। हे नए साल ! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर मैं संकल्प लेता हूं कि नित नए नए संकल्प लेने वाला मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और सकंल्प लेता हूं कि नए साल से मैं कदम कदम पर सच कहूंगा। झूठ बिल्कुल भी न कहूंगा। हे नए साल! ले, मैं अपनी बीवी को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि नित नए नए संकल्प लेने मैं संकल्पप्रिय तेरे स्वागत में एक और संकल्प लेता हूं कि नए साल से मैं किसी से ईर्ष्या, द्वेष नहीं रखूंगा।

देश दुनीया से

मजबूत होते भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंध

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक कुवैत यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है। चार दशक से अधिक समय में इस खाड़ी देश (कुवैत) की यात्रा करने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्ष 1981 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद यह यात्रा 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली कुवैत यात्रा थी। भारत और कुवैत के संबंध हमेशा से ही मैत्रीपूर्ण रहे हैं और वर्ष 1961 में जब कुवैत अंग्रेजी शासन से आजाद हुआ, तब भारत उसके साथ संबंध बनाने वाले शुरुआती देशों में शामिल था। कहना ग़लत नहीं होगा कि लंबे समय बाद भारत के प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा से भारत का पश्चिमी एशियाई जुड़ाव और अधिक सुनिश्चित तथा मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबेर अल- सबा की बातचीत से यह उजागर हुआ है कि भारत और कुवैत कूटनीतिक और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर और तैयार हैं। इस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री मोदी को कुवैत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया जाना दोनों देशों के पारस्परिक सम्मान का सूचक है। वास्तव में यह कदम दोनों देशों के रिश्तों की गहराई और महत्व को दर्शाता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, परस्पर सौहार्द और सहयोग की भावना इनके बीच गहरी रणनीतिक साझीदारी का रास्ता खोलते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुवैत यात्रा आर्थिक संबंधों के साथ ही सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। वास्तव में, अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने ऐसे अनेक लोगों से मुलाकात की जिन्होंने भारत-कुवैत संबंधों को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनमें अब्दुल्ला अल-बारून भी शामिल हैं, जिन्होंने एक अनुवादक के रूप में भारतीय महाकाव्यों 'रामायण' एवं 'महाभारत' का अरबीभाषियों के लिए अनुवाद किया है। सच तो यह है कि भारत के प्रधानमंत्री की हालिया कुवैत यात्रा ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक नए युग की शुरुआत की है। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए समझौते और रणनीतिक सहमतियां पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिहाज से भी अहम हैं। महत्वपूर्ण है कि कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत के बीच रक्षा, खेल, संस्कृति और सौर क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को निश्चित ही और अधिक मजबूती और प्रगाढ़ता प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि कुवैत भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है और आज भी है। आंकड़े बताते हैं कि कुवैत, भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को तीन प्रतिशत तक पूरा करता है। यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे यह आपूर्ति सुरक्षित होने के साथ ही खाड़ी क्षेत्र में भारत की समग्र ऊर्जा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही साथ, कुवैत के साथ रक्षा सहयोग भारत की 'ऐक्ट बेस्ट नीति' को भी निश्चित ही मजबूती प्रदान करेगा। आज कुवैत में बहुत से भारतीय निवास करते हैं और वहां की सामाजिक संरचना में भारतीयों का स्थान प्रवासियों के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीयों ने कुवैत को इंजीनियरिंग व शिक्षा, मेडिकल समेत अनेक क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण और अहम्‌योगदान दिया है। कुवैत भी बरसों-बरसों से भारत का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा सप्लायर रहा है, जबकि अनेक भारतीय विशेषज्ञ और भारतीय श्रमशक्ति कुवैत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी बीच, कुछ समय पहले ही कुवैत नेशनल रेडियो द्वारा साप्ताहिक हिंदी रेडियो कार्यक्रम की शुरुआत किया जाना निश्चित रूप से यह दर्शाता है कि कुवैत के लिए प्रवासी भारतीय कितने महत्वपूर्ण और अहम् हैं। इतना ही नहीं, गत जून में कुवैत की एक इमारत में आग लगने से हुई भारतीयों की मौतों के बाद कुवैत ने जिस तरह का सहयोग दिया, वह भी दोनों देशों के मजबूत संबंधों को ही दर्शाता है। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रवासियों को बेहतर वाणिज्यिक सेवाओं और श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा का सकारात्मक व ठोस आश्वासन दिया है, जो विदेशों में अपने नागरिकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निश्चित ही इससे कुवैत में प्रवासी भारतीयों के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि पीएम मोदी की इस ऐतिहासिक दो दिवसीय कुवैत यात्रा के दौरान भारत और कुवैत ने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाने पर सहमति जताई है और रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को नियमित बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह और भी अधिक महत्वपूर्ण है कि ऊर्जा सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया है कि वे अपने-अपने देशों की कंपनियों को तेल और गैस के अन्वेषण तथा उत्पादन, रिफाइनिंग, इंजीनियरिंग सेवाओं, और 'पेट्रोकेमिकल' उद्योगों में सहयोग बढ़ाने के लिए समर्थन प्रदान करेंगे। अंत में, यही कहूंगा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने निस्संदेह कुवैत व भारत के संबंधों को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है। उनकी यह यात्रा निश्चित ही खाड़ी क्षेत्र में एक जिम्मेदार साझेदार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी। सच तो यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री का कुवैत दौरा भारत और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते संबंधों की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह दौरा कूटनीति, व्यापार और समुदाय संवाद की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है जो भारत और कुवैत के द्विपक्षीय रिश्तों को जहां एक ओर मजबूती प्रदान करेगा वहीं दूसरी ओर यह दोनों देशों के बीच भविष्य में सहयोग की रूपरेखा भी तय करेगा।

आप का नजरीया

परिवहन की छवि सुधारो

बद्दी की घटना में कानून व्यवस्था के बजाय परिवहन की दादागिरी कहीं अधिक है। माल ढुलाई की अपनी अर्थव्यवस्था है और यह हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में हेकड़ी जमा चुकी है। न केवल माल ढुलाई, बल्कि यात्री एवं पर्यटन परिवहन में भी मनमानी का दस्तूर कुख्यात है। कम से कम हिमाचल के औद्योगिक विकास की सारी सफलता माल ढुलाई के हाथों ही पीटी जा रही है। एक तो भौगोलिक परिस्थितियां दुष्कर हैं, ऊपर से कच्चे माल से हर उत्पाद तक के बीच का सारा कारोबार, माल ढुलाई के वर्चस्व में अपने गणित सही से नहीं बैठा पाता। आश्चर्य यह कि सीमेंट से लेकर हर तरह के औद्योगिक उत्पाद के बाजार तक माल ढुलाई का आतंक, मनमाफिक भय पैदा कर रहा है। परिवहन के द्वार पर औद्योगिक विकास के पहिए इतने थमे कि हिमाचल से कुछ इकाइयों ने अपना नाता ही तोड़ लिया। इस पर अगर सस्ती माल ढुलाई के विकल्पों में बाहरी ट्रकों को आमंत्रित किया जाता है या औद्योगिक इकाइयां अपनी ढुलाई व्यवस्था खुद कायम करना चाहती हैं, तो वाहनों से तोडफ़ोड़ होने लगी है। जिस तरह वाहनों के शीशे टूटे, उससे लगता है कि हिमाचल के सीमांत इलाकों में जोर-जबरदस्ती का आलम पूंजीनिवेश के विरोध तक पहुंच चुका है। कम से कम निवेश मैत्री माहौल की यह दिशा नहीं और यह साबित हो चुका है कि उद्योगों के बसने से पहले ट्रक यूनियनों के बीच हिमाचली अधिकार बस जाते हैं। यह हिमाचली परिवहन की संगत में हलाल होने की शर्त बन चुका है। हिमाचल की ओर और हिमाचल से माल ढुलाई की लागत पर नकारात्मक असर डाल रही है। कमोबेश यही स्थिति पर्यटन की दृष्टि से टैक्सी सेवाओं में भी देखी जा रही है, लेकिन सरकार की ओर से न तो कोई स्पष्टता है और न ही स्थानीय राजनीति को ऐसा दखल पसंद है। नतीजतन हिमाचल के उपभोक्ता को महंगी दरों में आवश्यक वस्तुएं पहुंच रही हैं, जबकि हिमाचल में चल रहे प्रोडेक्शन को प्रतिस्पर्धा के बाजार में टिकाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। जाहिर तौर पर कंपनियों को सस्ती माल ढुलाई के लिए सिर-धड़ की बाजी लगानी पड़ रही है, लेकिन छोटी सी कोशिश भी अगर तोडफ़ोड़ में बदल जाए, तो ऐसी दुश्मनी के अंजाम में कई यूनिट किसी अन्य राज्य में कूच कर जाएंगे। इसी तरह स्थानीय टैक्सी संचालकों के नखरों ने पर्यटकों के अनुभव को हिमाचल से विमुख किया है। तमाम पर्यटक स्थलों पर साइट सीईंग के नाम पर हिमाचल हर दिन इसलिए बदनाम होता है, क्योंकि परिवहन सेवाएं वहां लूट का तंत्र साबित हो रही हैं। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट या बस अड्डों पर परिवहन सेवाओं का अराजक तंत्र मनमानी पर उतर आता है। अंब-अंदौरा तक पहुंच रही वंदे भारत के माध्यम से हर दिन जो पर्यटक उतरते हैं, उनके लिए टैक्सी तंत्र से कहीं अधिक षड्यंत्र है। क्या अंब-अंदौरा से एचआरटीसी को सीधे मकलोडगंज बस नहीं चलानी चाहिए। क्या भुंतर एयरपोर्ट से मनाली, गगल हवाई अड्डे से धर्मशाला-चामुंडा-पालमपुर बस नहीं चलानी चाहिए। ऑनलाइन राष्ट्रीय टैक्सी सेवाओं ने हिमाचल के कई भागों में टैक्सी चलाने की इच्छा जाहिर की है, तो यह राह किसने रोकी है। यहां मीटर टैक्सी का विरोध किसकी शह पर होता है।

विपक्षियों की भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली सोच : नायब सिंह सैनी

चुनाव में कोई पोर्टल बंद करने की बात कह रहा था तो कोई अपना घर भरने की

गुरुग्राम (हिंस)। बुधवार को यहां राज्य स्तरीय सुशासन दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। चुनाव के समय की बातों को उन्होंने सांझा करते हुए कांग्रेस को घेरा। कांग्रेस के नेताओं द्वारा चुनाव में दिए गए भाषणों के अंश भी अपने भाषण में बताए। बुधवार को यहां एसजीटी विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्षी दल कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हाल ही के विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष के एक प्रत्याशी ने तो अपना राज आने पर पोर्टल बंद करने, एक अन्य प्रत्याशी ने पहले अपना घर भरने तक की बातें कही। इतना ही नहीं, विपक्ष के एक अन्य प्रत्याशी ने तो 50 वोटों पर एक नौकरी देने तक का ऐलान किया था। उनकी यह सोच सुशासन की सोच नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली सोच है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव परिणामों से पहले उन्होंने युवाओं से वादा किया था कि वे 25 हजार युवाओं को पहले सरकारी नौकरी ज्वाइन करवाएंगे, उसके बाद स्वयं शपथ ग्रहण करेंगे और अपने इस वायदे को उन्होंने

पूरा करके दिखाया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों पर अपने समर्थन की मोहर लगाकर सुशासन की सरकार को बरकरार रखने के लिए हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में की गई सुशासन की ये पहलें प्रमाण हैं कि सुशासन हमारे लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा-विकसित भारत की आत्मा है। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार लगातार सुशासन की पहल कर रही है। आमजन द्वारा शिकायतें दर्ज करवाने और उनके त्वरित समाधान के लिए सीएम विंडो की बात हो, समय पर काम न होने पर स्वत: अपील के लिए ऑटो अपील सॉफ्टवेयर की लांचिंग हो, या फिर किसान को बिजाई से लेकर फसल बेचने तक की सुविधा सिंगल प्लेटफार्म पर प्रदान करने के उद्देश्य से मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल की शुरुआत करना हो, राज्य सरकार ने ऐसी अनेक पहल की हैं, जिनके माध्यम से समाज के हर वर्ग से जुड़े लोगों का जीवन आसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से सकारात्मकता आती है और जब सकारात्मकता प्रबल होती है तो नकारात्मकता का भाव धीरे-धीरे क्षीण होता जाता है। इसी सोच के साथ, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में स्वच्छ हरियाणा मिशन के अंतर्गत 31 जनवरी, 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत राज्य सरकार की कार्यालय प्रक्रिया नियमावली में दिए दिशा-निर्देशों के अनुरूप दस्तावेज रिटेंशन को सुव्यवस्थित करने और अप्रचलित रिकॉर्ड को हटाने के साथ ही रिकॉर्ड प्रबंधन पर भी बल दिया जाएगा।

राजस्थान : बस-कार की टक्कर में पांच की मौत, 15 घायल

करौली (हिंस)। जिले के करौली-गंगापुर मार्ग पर मंगलवार रात भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। घटना सलेमपुर गांव के पास हुई, जहां तेज रफ्तार बस ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 15 लोगों की हालत गंभीर है। हादसा उस समय हुआ जब कार गंगापुर से करौली की ओर जा रही थी। विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बस ने कार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान नयन कुमार देशमुख (63) पुत्र भाल चंद्र देशमुख निवासी इंदौर, प्रीति भट्ट, मनस्वी देशमुख, खुश देशमुख और अनीता देशमुख के रूप में हुई है। ये सभी मूल रूप से इंदौर मध्य प्रदेश के निवासी थे और वर्तमान में बड़ोदरा गुजरात में रह रहे थे। घायलों में विनीत सिंहल (31) पुत्र गोपाल निवासी करौली, सलीम (42) पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी गंगापुर सिटी, नूरजहां (50) पत्नी सलीम निवासी गंगापुर सिटी, शिवराज लाल (44) पुत्र श्रीमोहन गुनेसरा और समय सिंह (21) पुत्र बद्री प्रसाद निवासी गनेसरा हैं। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

एसजीपीसी अध्यक्ष ने दरबार साहिब में जूते पॉलिश और बर्तन साफ कर सजा पूरी की

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक की पूर्व अध्यक्ष के विरुद्ध की गई टिप्पणी से विवादों में घिरे एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने बुधवार को दरबार साहिब में जूते पॉलिश करके अपनी धार्मिक सजा पूरी की। हरजिंदर सिंह धामी ने एक साक्षात्कार के दौरान बीबी जागीर कौर के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा है। इस विवाद के चलते महिला आयोग ने भी धामी को नोटिस जारी करते हुए तलब किया था। धामी ने महिला आयोग में पेश होकर अपने बयान भी दर्ज करवाए और बीबी जागीर से सार्वजनिक माफी भी मांगी। इसके बावजूद एसजीपीसी अध्यक्ष ने अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह को पत्र लिखकर घटनाक्रम को लेकर माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें जो भी सजा दी जाएगी वही स्वीकार होगी। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के आदेशानुसार एसजीपीसी अध्यक्ष बुधवार को पंज प्यारों के समक्ष पेश हुए। पंज प्यारों की तरफ से हरजिंदर सिंह धामी को एक घंटा जोड़ा घर (बूट पॉलिश), एक घंटे लंगर हाल में बर्तन साफ करने की सेवा के साथ-साथ पांच जपुजी साहिब के पाठ करने के उपरांत पांच सौ रुपए की देग सेवा करवाने के आदेश जारी किए। धामी ने पंज प्यारों के आदेश का पालन करते हुए दरबार साहिब में जोड़ा घर, लंगर हाल में अपनी सजा पूरी की।

इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी करेंगी उद्घाटन

उदयपुर (हिंस)। आगामी 10 से 13 जनवरी 2025 तक उदयपुर के डीपीएस के मैदान में होने जा रहे 11वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 के उद्घाटन समारोह में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का सान्निध्य रहेगा। लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित इस मेले के उद्घाटन के लिए उपमुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह आयोजन उद्योगों को एक मंच पर लाने और उदयपुर क्षेत्र के औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए हो रहा है। फेयर संयोजक तरुण दवे ने बताया कि राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक, प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र मिश्रा, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र खुराना, प्रदेश उपाध्यक्ष नटवरलाल अजमेरा, प्रदेश कोषाध्यक्ष अरुण जाजोदिया ने उपमुख्यमंत्री को निमंत्रण के साथ उद्घाटन समारोह में सान्निध्य प्रदान करने का आग्रह किया जिसे उपमुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया। लघु उद्योग भारती उदयपुर अध्यक्ष मनोज जोशी ने बताया कि अब तक 200 से अधिक प्रतिष्ठित उद्योगों ने इस फेयर में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर ली है। इनमें मिराज ग्रुप, सिक्योर मीटर्स, पायरोटेक, पीआई इंडस्ट्रीज, हवेली मार्बल्स, आईवीओ, हाइक्यू सरफेस क्वार्ट्ज, पील इटालिका लाइफस्टाइल्स, तरुहोम्स, सिंघानिया यूनिवर्सिटी,

अनंता हॉस्पिटल, वंडर पेंट्स और अपना घर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लघु उद्योग भारती की टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्टाल बुकिंग में पवन कोठारी, मुकेश गुरानी, चर्चिल जैन, हमराज सिंह चौहान, उमा प्रताप सिंह और कैलाश शर्मा के साथ कई उद्यमी जुटे हुए हैं। वहीं, प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह चौहान, यशवर्धन खंडेलवाल और अभिजीत शर्मा बखूबी निभा रहे हैं। इस आयोजन के प्रमुख स्पॉन्सर्स में मिराज ग्रुप, अनंता हॉस्पिटल और इराज इवोल्यूशन डिजाइन कंपनी शामिल हैं। लघु उद्योग भारती की यह पहल न केवल उदयपुर बल्कि पूरे राजस्थान के उद्योग जगत को एक नया आयाम देगी।

भारत में पहली बार विकास दर 8.4 प्रतिशत पर अटल जी के कार्यकाल में पहुंची : राजनाथ सिंह

लखनऊ (हिंस)। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर लोकभवन में सुशासन दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अटल जी के जीवन और कार्यों को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी ने भारत को ऐसा सुशासन दिया, जिसने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी सरकार के दौरान विकास दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंची, जो आजाद भारत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उन्होंने अटल जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी गवर्नेंस की दुनिया भर में प्रशंसा होती थी। सिंह ने सुशासन की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि एक अच्छा शासन वही है जहां हर व्यक्ति की आवश्यकताएं पूरी हों, वह खुद को सुरक्षित महसूस करे और उसके पास अपनी बात कहने का अवसर हो। यही अटल जी का विजन था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। रक्षामंत्री ने अटल जी की ऐतिहासिक योजनाओं को याद करते

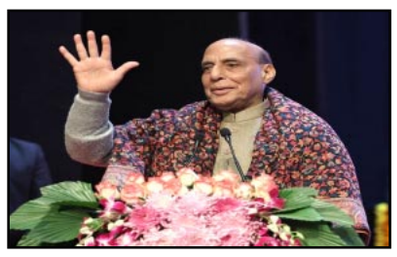

हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने भारत को सड़क, टेलीकॉम और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई दिशा दी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अंत्योदय योजना जैसे अभियानों ने भारत के गांवों और गरीबों के जीवन को बदल दिया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने न केवल शहरों को सड़कों से जोड़ा, बल्कि गांवों को भी पक्की और बेहतर सड़कों से जोड़ा। टेलीकॉम सेक्टर में क्रांति लाकर उन्होंने मोबाइल को हर हाथ तक पहुंचाने का सपना साकार किया। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन के तहत हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 1,500 से अधिक अनावश्यक कानूनों को समाप्त कर *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस* में भारत को 50वें स्थान तक पहुंचाया है। जल्द ही भारत शीर्ष 20 देशों में शामिल होगा। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजना की सफलता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि अब गरीबों को उनके हक का पैसा सीधे उनके खातों में मिलता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि 100 पैसा भेजने पर केवल 14 पैसा लाभार्थियों तक पहुंचता है लेकिन मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि अटल जी और मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा, यही सुशासन है। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने यूपी को भयमुक्त बनाया है। गरीबों को मकान देने में यूपी देश में पहले स्थान पर है। चार करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के मकान मिले हैं, जिनमें 70 प्रतिशत मकानों की रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है, 4 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है।

हरियाणा में रोहिंग्या मुसलमानों का सर्वे शुरू

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार प्रदेश में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को बाहर निकालेगी। इसके लिए राज्य पुलिस तथा सीआईडी विंग ने प्रदेश भर में वेरिफिकेशन अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस की टीमें लगातार झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर इनकी पहचान से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी की तरफ से हालही में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बैठक की गई थी। जिसमें आलाधिकारियों को इस बारे में ब्योरा एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं। हरियाणा में करीब 12 साल पहले रेवाड़ी, नूंह, महेंद्रगढ़ और फरीदाबाद में बांग्लादेश से आए रोहिंग्या मुसलमानों को बसाया गया था। खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट दिया है कि ये रोहिंग्या प्रदेश में अपराध और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद सरकार ने दिल्ली से सटे जिलों में पुलिस और सीआईडी को अलर्ट रहने के लिए कहा है।

वीर बाल दिवस पर संघ के पथ संचलन में आगे-आगे चले पंच प्यारे

धर्म रक्षा के लिए गुरुपुत्रों ने बलिदान दिया : कौशल

बहराइच (हिंस)। वीर बाल दिवस के अवसर पर बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन निकाला गया। संचलन में आगे-आगे पंच प्यारे चल रहे थे। पथ संचलन कर रहे बाल स्वयंसेवकों पर स्थान-स्थान पर लोगों ने पुष्पवर्षा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक कौशल ने कहा कि राष्ट्र रक्षा एवं धर्म रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर सिंह एवं गुरुपुत्रों ने बलिदान दिया। गुरु तेगबहादुर जी एवं गुरुपुत्र सर्वस्व दानी थे। समाज में सभी लोगों को इस विषय की जानकारी होनी चाहिए। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रत्येक जिले में वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पूरे देश में गुरुपुत्रों अजीत सिंह, जुझार सिंह जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह का बलिदान शहीदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रांत प्रचारक ने कहा कि हिंदू समाज

में स्वाभिमान जागृति हेतु एवं संगठन हेतु वर्ष 1925 में संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। वर्ष 2025 विजयादशमी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इस अवसर पर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जोड़कर समाज जागरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवार में संस्कार उत्पन्न हो ऐसा कार्य संघ द्वारा समाज के साथ मिलकर किया जा रहा है। इसी प्रकार सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक कर्तव्य आदि विषय पर संघ संपूर्ण समाज के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरदार सरबजीत सिंह ने कहा कि मुगल काल में जब जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा था तब धर्म की रक्षा के लिए गुरु जी एवं गुरु पुत्रों ने शहादत दी। सभी को गुरु एवं पूर्वजों के बारे में जानना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सरदार सरबजीत सिंह ने एवं संचालन जिला कार्यवाहक भूपेंद्र ने किया। पथ संचलन महाराज सिंह इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर गुरु नानक चौक, अस्पताल चौराहा घंटाघर होते हुए श्री गुरुद्वारा पर समाप्त हुआ। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा लोगों को जलपान कराया गया। कार्यक्रम में प्रांत सामाजिक समरसता संयोजक राज किशोर, जिला संघचालक वासुदेव, विभाग कार्यवाह अंबिका प्रसाद, विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार, जिला प्रचारक अजय, विभाग प्रचार प्रमुख अतुल, जिला प्रचार प्रमुख विपिन आदि उपस्थित रहे।

तीन साल की चेतना का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 42 घंटे से बोरवेल में फंसी है मासूम

कोटपूतली (हिंस)। कोटपूतली के कीरतपुर के बड़ियाली की ढाणी में 700 फीट गहरे बोरवेल में गिरी तीन साल की चेतना का रेस्क्यू तीसरे दिन भी पूरा नहीं हो सका है। प्रशासन की फेल प्लानिंग के चलते मासूम 42 घंटे से बोरवेल में फंसी हुई है। मंगलवार रात चार देसी तकनीकों की विफलता के बाद पाइलिंग मशीन का उपयोग शुरू किया गया। रेस्क्यू टीमों के लिए मौसम की धुंध और तकनीकी बाधाएं चुनौती बन रही हैं। चेतना सोमवार दोपहर 2 बजे खेलते समय बोरवेल में गिर गई थी। शुरुआत में वह करीब 150 फीट की गहराई पर फंसी हुई थी। देसी जुगाड़ (एल बैंड) का इस्तेमाल करते हुए टीमें उसे केवल 30 फीट तक खींचने में सफल रहीं, लेकिन मंगलवार सुबह से चेतना का मूवमेंट कैमरे में दिखाई नहीं दिया। परिवार ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। विशेषज्ञ तकनीक की जगह देसी जुगाड़ पर भरोसा करने से 30 घंटे तक बोरवेल के समानांतर गड्ढा खोदने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। बोरवेल रेस्क्यू में प्रोटोकॉल के अनुसार समानांतर गड्ढा खोदकर पीड़ित को निकालने का प्रयास सबसे पहले किया जाता है। एनडीआरएफ इंचार्ज योगेश मीणा ने बताया कि पाइलिंग मशीन की क्षमता 150 फीट तक खुदाई करने की है। इसी कारण मंगलवार रात को जेसीबी मशीन का उपयोग कर बोरवेल से 20 फीट की दूरी पर 10 फीट गहरी खुदाई की गई। इसके बाद पाइलिंग मशीन से 150 फीट लंबी समानांतर सुरंग खोदी जाएगी। इस प्रक्रिया में सुरंग से बोरवेल तक एक छोटी टनल बनाई जाएगी, जिससे बच्ची तक पहुंचा जा सके। योजना के अनुसार, 160 फीट तक गहराई में पहुंचने पर बच्ची को नीचे से सुरक्षित निकालने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल बच्ची को जे-शेप हुक की मदद से बोरवेल में स्थिर रखा गया है। टीम का उद्देश्य है कि सुरंग बनाकर सबसे सुरक्षित तरीके से चेतना तक पहुंचा जाए। चेतना का आखिरी मूवमेंट मंगलवार को देखा गया था। इतने लंबे समय तक भूखे रहने के कारण उसकी स्थिति को लेकर परिवार और रेस्क्यू टीम चिंतित हैं। फिलहाल बच्ची को जे-शेप हुक से स्थिर किया गया है। पहले प्रयास में सोमवार रात 1 बजे रिंग रॉड और अंब्रेला तकनीक को आजमाया गया, लेकिन बच्ची के कपड़ों में उलझकर प्रयास विफल हो गया। दूसरा प्रयास: देर रात 3 बजे फिर से रिंग का इस्तेमाल किया गया, जो सफल नहीं रहा।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश को भारत रत्न देने की वकालत की

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगूसराय में कहा कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव राजग नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को भारत रत्न देने की वकालत की। गिरिराज ने कहा कि नीतीश कुमार इतने दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। आज के बच्चे, जिनकी उम्र 30 साल है वह नहीं जानते कि लालू प्रसाद के जंगलराज में कुव्यवस्था थी। सड़कें, अस्पतालों और स्कूलों की जर्जर स्थिति थी। नीतीश कुमार ने बिहार को एक ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है और ओडिशा में नवीन पटनायक ने इतने वर्षों तक राज्य की सेवा की। ऐसे लोगों को देश में पुरस्कृत करने की जरूरत है। इसलिए ऐसे लोगों को भारत रत्न जैसे पुरस्कार से नवाजा जाना चाहिए। यह पहला मौका है जब भाजपा की तरफ से किसी केंद्रीय मंत्री ने अपनी ही सरकार से यह बड़ी मांग की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सच में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हो गए हैं? दरअसल, बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नेतृत्व के सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों एक टीवी डिबेट के दौरान ऐसी बात कह दी थी, जिससे बिहार की सियासत गरमा गई थी। मुख्यमंत्री के बीमार पड़ने के बाद यह कयास लगाए जाने लगा कि नीतीश कुमार फिर से नाराज हो गए हैं। हालांकि,

बाद में भाजपा और जदयू दोनों ने साफ कर दिया कि 2025 में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। भाजपा लगातार यह मैसेज देने की कोशिश कर रही है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक है और बिहार में नीतीश कुमार ही एनडीए के नेता हैं। चर्चा है कि भाजपा पूरी तरह से बैकफुट पर आ गई है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को किसी भी हाल में नाराज नहीं करना चाहती है। यही वजह है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पुरानी मांग को करीब-करीब स्वीकार कर लिया। केंद्र सरकार ने पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा तो नहीं दिया लेकिन पीयू के विकास के लिए 100 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कर दी। अब केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए केंद्र सरकार से बड़ी मांग कर दी है।

मंदिरों में हुआ सामूहिक श्री तुलसी पूजन एवं वितरण समारोह

बीकानेर (हिंस)। विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ बीकानेर द्वारा आज पूरे बीकानेर महानगर में विभिन्न क्षेत्र के 11 मंदिरों सहित धरणीधर मैदान में युवा साथीयों पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं एवं मातृशक्ति ने सर्वसमाज के साथ श्री तुलसी पूजन एवं वितरण समारोह आयोजित किया गया। विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पंकज पीपलवा के नेतृत्व में आज बीकानेर शहर की पूरी युवा टीम ने अनेकानेक क्षेत्र के मंदिरों में तुलसी पूजन एवं वितरण समारोह के तहत सर्वसमाज की उपस्थिति में मां सरस्वती की आराधना की फिर *तुलसी माता* के पौधे के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर आरती कर प्रत्येक मंदिर में तुलसी के पौधे का रोपण एवं वितरण कर तुलसी पूजन का अर्थ एवं इसकी महत्वत्ता पर प्रकाश डाला। विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ द्वारा भी जिला अध्यक्ष चंद्रकला आचार्य के धरणीधर रंगमंच में राष्ट्रीय सचिव भंवर पुरोहित एवं जिला अध्यक्ष किशन जोशी की उपस्थिति में तुलसी पूजन के साथ गरिमामयी आयोजन में आर्यन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के एंनवल स्पोर्ट्स कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले मेधावी बच्चों

को गाय के गोबर से बने गमलों में तुलसी पौधों का वितरण किया गया एवं हर सनातनी को प्रेरणा दी कि सब अपने-अपने घरों में *मां तुलसी* की आराधना करें और इसके पौधे का संरक्षण भी करें। इस दिव्य एवं भव्य आयोजन पर पूरे महानगर में तुलसी पूजन दिवस पर प्रत्येक सनातनी में खुशी का माहौल रहा और इस अभिनव आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की !! उदयरामसर स्थित श्री सत्यनारायण जी मंदिर, श्री हरिराम जी मंदिर एवं श्री हनुमान जी मंदिर परिसर में युवा साथियों द्वारा मंदिर के पुजारी की अध्यक्षता में पौधारोपण कर वितरण किया गया। इसी कड़ी में महामंत्री युवराज व्यास के नेतृत्व में हनुमान हत्था स्थित करणी माता जी मंदिर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश उपाध्याय के नेतृत्व में धर्मनगर द्वार स्थित भैरु मंदिर एवं उपाध्यक्ष (आईटी) सौरभ शर्मा के नेतृत्व में नत्थूसर बास स्थित काल भैरव कुटिया परिसर, उपाध्यक्ष जितेंद्र बिस्सा के नेतृत्व में नत्थूसर गेट स्थित आदि गणेश मंदिर, सोशल मीडिया संयोजक रामरतन रुणिया के नेतृत्व में जयपुर रोड स्थित चेतन हनुमान जी मंदिर परिसर में व उपाध्यक्ष पुखराज पाईवाल के नेतृत्व में सुजानदेसर स्थित श्री रामदेव जी मंदिर एवं तोलियासर भैरू जी मंदिर परिसर सहित सोशल मीडिया सह संयोजक नारायण भादाणी के नेतृत्व में छबीली घाटी स्थित गणेश जी मंदिर एवं सावंत गिरी जी गुफा, लाल गुफा परिसर एवं आशीष जोशी के नेतृत्व में धर्म चौक स्थित श्री धर्मेश्वर हनुमान जी मंदिर परिसर में सर्वसमाज के युवा साथियों द्वारा मंदिर पुजारी को पौधा सप्रेम भेंट कर दर्शनार्थियों को वितरण कर तुलसी पौधे की महता पर प्रकाश डाला।

स्टॉक मार्केट में क्रिसमस की छुट्टी, इस साल शेयर बाजार में कुल 16 दिन रहा अवकाश

नई दिल्ली

क्रिसमस के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कोई कारोबार नहीं होगा। इसके साथ ही करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट्स (ईजीआर) में भी ट्रेडिंग नहीं होगी। इस साल शेयर बाजार में रविवार और शनिवार को छोड़कर कुल 16 दिन छुट्टी रही है। साल 2024 में स्टॉक मार्केट में पहली छुट्टी 26 जनवरी को थी, जबकि क्रिसमस के दिन आखिरी छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के मुताबिक अगले साल 2025 में स्टॉक मार्केट में कुल 14 दिनों का अवकाश रहेगा। 2025 में पहली छुट्टी 26र जनवरी की जगह महाशिवरात्रि के मौके पर 26 फरवरी को होगी। आमतौर पर स्टॉक मार्केट में पहली छुट्टी गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी को होती है, लेकिन 2025 में गणतंत्र दिवस रविवार को है। उस दिन स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक अवकाश होता है। यही वजह है कि स्टॉक मार्केट में अगले साल की पहली छुट्टी 26 फरवरी को होगी। हालांकि 2025 का आखिरी अवकाश 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर ही होगा। 2025 में दिवाली के मौके पर होने वाले मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन मंगलवार 21 अक्टूबर को होगा। हालांकि बीएसई के कैलेंडर में मुहूर्त ट्रेडिंग के समय की जानकारी अभी नहीं दी गई है। इसकी जानकारी दिवाली के एक-दो दिन पहले बीएसई और एनएसई द्वारा दी जाएगी। जहां तक दिसंबर के शेष बचे दिनों की बात है तो इस सप्ताह क्रिसमस की छुट्टी के कारण कुल 4 दिन ही कारोबार होगा, जबकि अगले सप्ताह 30 और 31 दिसंबर को भी स्टॉक मार्केट में खरीद बिक्री होती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

31 दिसंबर को खुलेगा इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ, 14,835 का करना होगा निवेश

मुंबई। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) 31 दिसंबर को खुलेगा। निवेशक इसके लिए 2 जनवरी तक बिडिंग (बोली) लगा सकते हैं। 7 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। क्रिसमस के चलते शेयर बाजार बंद है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी टोटल 260.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 184.90 करोड़ रुपए के 86,00,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, इंडो फार्म इक्विपमेंट के मौजूदा निवेशक 75.25 करोड़ रुपए के 35,00,000 शेयर बेच रहे हैं। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने आईपीओ का प्राइस बैंड 204-215 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 69 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 215 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय किया जाता है तो इसके लिए 14,835 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 897 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,92,855 इन्वेस्ट करने होंगे।

कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम क्रय करने का है अच्छा अवसर

मुंबई। ग्राहक के पास कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम अमेजन डील्स की मदद से खरीदने का अच्छा अवसर हैं। इनमें से कुछ प्यूरीफायर ऐसे हैं जो रियल टाइम कलर इंडिकेशन को दिखाते हैं और फिल्टर को चेंज करने का मैसेज भी आपको इनमें दिखने लगता है अगर वह खराब हो जाता है या फिर इसमें कोई कमी होती है। इस पर 7 साल की वारंटी तो मिल ही रही है इसके साथ यह एक ऐसा प्यूरीफायर है जिसमें आपको सबसे लंबा और ज्यादा दिनों तक चलने वाला फिल्टर मिलता है। यह स्पेशल ट्रू हेपा फिल्टर वाला एयर प्यूरीफायर है जिसमें 99.99 प्रतिशत वायरस और छोटे-छोटे पॉल्यूटेंट आसानी से कैद कर लिए जाते हैं। यह एक ऐसी कंपनी का एयर प्यूरीफायर है जिसके बारे में आपको ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि डेसन एयर प्यूरीफायर न केवल अपने नाम के लिए जाना जाता है बल्कि इससे साफ होकर निकलने वाली हवा अन्य प्यूरीफायर के मुकाबले ज्यादा साफ मानी जाती है। रिमोट कंट्रोल की मदद से आप इस एयर प्यूरीफायर को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ब्रैंड की ओर से इस पर 2 साल की वारंटी भी दी जा रही है। 3 इन1 फिल्टर से लैस यह एयर प्यूरीफायर घर और ऑफिस दोनों के लिए बेस्ट बताया गया है।

सिनेमाघरों में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर पांच फीसदी ही लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली। सिनेमा घरों में खुले रूप से बिकने वाले पॉपकॉर्न पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर पांच फीसदी ही लागू होगा, जैसा कि रेस्टोरेंट सेवाओं पर लागू होता है। अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। चूंकि, इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा। इस बारे में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में स्पष्टीकरण दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी जानकारी में कहा कि नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद मीडिया को बताया था कि परिषद ने पॉपकॉर्न पर कर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने पर सहमति जताई है। पॉपकॉर्न पर जीएसटी की दर में कोई वृद्धि और बदलाव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी के तहत नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न को नमकीन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसको खुले में बेचने पर 5 फीसदी का कर लगता है। पहले से पैक और लेबल के साथ ईट स्नैक्स पर 12 फीसदी जीएसटी और कुछ वस्तुओं को छोड़कर सभी चीनी कन्फेक्शनरी पर जीएसटी 18 फीसदी लगता है। इसलिए कारमेलाइज चीनी वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाएगा।

कंपनियां करें कॉलिंग-एमएसएस पर फोकस सस्ते रिचार्ज का मिलेगा ऑप्शन

TRAI
सत्यमेव जयते
Telecom Regulatory Authority of India

ट्राई ने जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को दिया आदेश

नई दिल्ली

जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल यूजर्स को जल्द ही सस्ते रिचार्ज का ऑप्शन मिल सकता है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने सभी टेलीकॉम ऑपरेटर्स से कंज्यूमर्स के लिए कॉलिंग और एमएसएस फोकस प्लान्स लॉन्च करने के लिए कहा है, जिसमें वैलिडिटी भी मिलती हो। टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पोर्टफोलियो पर नजर डालें तो इसमें सभी प्लान्स डेटा पर फोकस्ड मिलते हैं यानी इसमें कॉलिंग, एसएमएस और डेटा तीनों मिलता है। ऐसे में कई यूजर्स जिन्हें डेटा नहीं चाहिए होता है, उन्हें भी डेटा के लिए भुगतान करना पड़ता है।

इस तरह का प्लान ना होने की वजह से जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के यूजर्स को अपना सिम एक्टिव रखने के लिए हर महीने करीब 200 रुपए खर्च करने होते हैं। वहीं कुछ ऐसे यूजर्स भी हैं, जिन्हें लॉन्ग टर्म प्लान्स चाहिए होता है। आपको ऐसा लॉन्ग टर्म प्लान नहीं मिलेगा, जो सिर्फ कॉलिंग और एसएमएस पर फोकस्ड करता हो।

ट्राई ने 23 दिसंबर को जारी अपने आदेश में कहा कि टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को ऐसे एसटीवी जारी करने होंगे, जो सिर्फ वॉयस कॉलिंग और एसएमएस की सुविधा के साथ आते हों, जिससे कंज्यूमर्स सिर्फ उस सर्विस के लिए ही भुगतान करें, जो वह यूज करते हैं। इसका टेलीकॉम कंपनियों के कारोबार पर बड़ा असर पड़ेगा। ट्राई ने पहले भी इस पर कंपनियों से सुझाव मांगा था, जिसमें टेलीकॉम कंपनियों ने इसका विरोध किया था।

कंपनियों का कहना था कि इस तरह के किसी नए प्लान की जरूरत नहीं है। कंज्यूमर्स के लिए ऐसे प्लान्स पहले से ही मौजूद हैं। बता दें कि टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ साल पहले ही लाइफटाइम फ्री इनकमिंग की सुविधा खत्म कर दी है।

इसके बाद ग्राहकों को अपना सिम कार्ड एक्टिव रखने के लिए हर महीने मिनिमम रिचार्ज करना होता है। वहीं इस साल जुलाई में टेलीकॉम कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में भी वृद्धि की है। इसकी वजह से कंज्यूमर्स को करीब 200 रुपए हर महीने सिर्फ सिम एक्टिव रखने के लिए खर्च करने होते हैं। वहीं सभी प्लान्स में डेटा दिया जाता है। ऐसे में जिन यूजर्स को डेटा की जरूरत नहीं होती है, उन्हें भी इस सर्विस के लिए भुगतान करना पड़ता है। वहीं बीएसएनएल में 30 दिनों का प्लान 147 रुपए का आता है, जिसमें यूजर्स को कॉलिंग और एसएमएस के साथ 10जीबी डेटा मिलता है। ऐसे यूजर्स जिन्हें इस डेटा की जरूरत नहीं है, उन्हें भी इसके लिए भुगतान करना होता है।

अडानी ने खरीदी एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी, 400 करोड़ में हुई डील

नई दिल्ली

बीते कुछ महीनों में भारत के उद्योगपति गौतम अडानी अमेरिकी के लगाए गए आरोपों के चलते विवादों में रहे, लेकिन इस बीच उनका फोकस पूरी तरह कारोबार के विस्तार पर था। अब साल के आखिर में अडानी ग्रुप ने एक बड़ी डील की है। इसके तहत अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी खरीदी है। गौतम अडानी ने जिस एयर वर्क्स कंपनी की अधिग्रहण किया है, वह भारत की प्रमुख प्राइवेट एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस कंपनी है। यह अधिग्रहण अडानी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने किया है और इसके साथ ही कंपनी की एंट्री विमान मैंटिनेंस, रखरखाव और ओवरहाल इंडस्ट्री में हो गई है। अडानी ग्रुप के मुताबिक ये पूरी डील 400 करोड़ में हुई है। इस 400 करोड़ रुपए की डील के जरिए अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स में 85.8 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है और एग्रीमेंट साइन किए हैं। इस संबंध में अडानी ग्रुप की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसमें कहा है कि एडीएसटीएल ने देश की सबसे बड़ी प्राइवेट एमआरओ कंपनी एयर वर्क्स में मैजोरिटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए डील की है। एयर वर्क्स इंडिया की स्थापना साल 1951 में की गई थी और ये देश की दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों को सेवाएं देती है। इसकी कस्टमर लिस्ट में इंडिगो और विस्तारा जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा लुफ्थांसा, टर्किश एयरलाइंस समेत एतिहाद जैसी इंटरनेशनल एयरलाइंस भी इससे सर्विसेज लेती हैं। इसके साथ ही एयर वर्क्स इंडियन नेवी और एयरफोर्स के विमानों की भी देखरेख करती है। कभी दुनिया के टॉप-3 अमीरों में शामिल गौतम अडानी की 10 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं।

वेडिंग फंक्शन के लिए मिल रही एक से बढ़कर एक साड़ियां

मुंबई

वेडिंग सारी फार वूमेन साड़ी कलेक्शन में वेडिंग फंक्शन के लिए एक से बढ़कर एक साड़ियां मिल रही हैं। साडियों की इस सेल में लेटेस्ट स्टाइल और ट्रेंड वाली साड़ियां उपलब्ध हैं। ये सॉफ्ट और लाइट फैब्रिक से बनी हैं।

एथनिक और ट्रेडिशनल स्टाइल के लिए इन साड़ियों को बेस्ट माना जाता है। ये साड़ियां अमेजन द वेडिंग फेस्ट में 80 प्रतिशत तक की छूट पर मिल रही हैं। इस लिस्ट में रुपए 4999 वाली साड़ी 999 रुपये में उपलब्ध है। बचत के साथ के साथ साड़ी के लिए यह कलेक्शन बेस्ट है। पिंक कलर में मिल रही यह बनारसी सिल्क सारी बहुत ही आकर्षक है। इस कांजीवरम बनारसी सिल्क साड़ी को वेडिंग के साथ ही फेस्टिवल, पार्टी और डेली वेयर में ऐड कर सकती हैं। यह 6 यार्ड की लेंथ में आ रही है। यह फ्लोरल प्रिंट वाली साड़ी आपको एथनिक और ट्रेडिशनल लुक भी देती है। इस साड़ी के साथ अनस्टिच्ड ब्लाउज दिया गया है। इसका सिल्क फैब्रिक काफी बढ़िया है।

अगर आप वेडिंग फंक्शन में आकर्षक और स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो यह रेडी टू वियर सारी आपके लिए बेस्ट हो सकती है। यह एम्बेलिश्ड लाइक्रा साड़ी बहुत ही बढ़िया है। यह साड़ी पिंक और अन्य कलर में भी उपलब्ध है। इस रेडी टू वेयर साड़ी को पहनना काफी आसान है। इसे एनिवर्सरी और बर्थडे गिफ्ट के लिए भी लिया जा सकता है। यह लाइक्रा फैब्रिक से बनी हुई वूमेंस साड़ी है। यह प्लेन वीव टाइप वाली जार्जेट इम्बेलिस्ड सारी है। वेडिंग फंक्शन में पहनने के लिए इस साड़ी को सबसे अच्छा माना जाता है। फेस्टिव, पार्टी, कैजुअल और सेरेमनी में अच्छे लुक के लिए इसे ट्राय कर सकती हैं।

रिलायंस के जरिए भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही चीन की ई-कॉमर्स कंपनी शीन

मुंबई

एप आधारित चीनी ई-कॉमर्स कंपनी शीन अब रिलायंस रिटेल में साझेदारी के जरिये भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अजियो पर शीन ने अपने कपड़ों के ताजा कलेक्शन की टेस्टिंग और कैटलॉगिंग भी शुरू कर दी है।

रिलायंस इस ब्रांड को अपने अन्य प्लेटफॉर्म तक भी ले जाएगी। इससे भारतीय बाजार में रिलायंस की फास्ट-फैशन सेगमेंट में टाटा समूह के जुडियो और फ्लिपकार्ट के मिंत्रा के साथ प्रति स्पर्धा और बढ़ेगी। वहीं उपभोक्ताओं को अधिक वैरायटी मिलेगी। सरकार ने साल 2020 में भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच

ही शीन सहित 50 चीनी एप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

शीन की हालांकि भारतीय डेटा तक पहुंच नहीं रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि शीन का संचालन देश के एक स्वदेशी रिटेल प्लेटफॉर्म पर होगा। शीन उसक समय भारतीय बाजार में दोबारा प्रवेश कर रहा है, जब उसके राजस्व में कमी देखी गई है। इस साल की पहली छमाही शीन का राजस्व गत वर्ष के 40 फीसदी से घटकर 23 फीसीदी रह गया है। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक भारत में गत वित्त वर्ष में फास्ट फैशन सेगमेंट में 40 फीसदी बढ़त हुई है। ये कुल रिटेल सेगमेंट की 6 फीसदी ग्रोथ से 5 गुना है। 2031 तक यह बाजार 4.5 लाख करोड़ का होगा। शीन ने गत वर्ष 3.83 लाख करोड़ के कपड़े बेचे एप बेस्ड ई-कॉमर्स कंपनी शीन की 170 से अधिक देशों में मौजूदगी है। 5.3 करोड़ यूजर्स हैं।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोना और चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में क्रिसमस के मौके पर सपाट कारोबार होता नजर आ रहा है। सोने और चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की

गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में भी 22 कैरेट सोना मंगलवार के भाव पर ही यानी 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

ऑस्ट्रेलिया पहले खो-खो विश्व कप के लिए तैयार, पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में लेगा हिस्सा

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया 13-19 जनवरी, 2025 के बीच दिल्ली में होने वाले पहले विश्व कप का हिस्सा बनने के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया की ताकतवर टीम हमेशा से ही अपनी समृद्ध खेल संस्कृति के लिए जानी जाती है।

क्रिकेट से लेकर रग्बी तक, वे हमेशा से ही अपनी ताकत का लोहा मनवाते आए हैं और खो-खो में भी वे अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं, जहां वे पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में भाग लेंगे।

15 खिलाड़ियों वाली प्रत्येक टीम में, कुछ भारतीयों के अलावा, ऑस्ट्रेलियाई मूल के 6 पुरुष और 8 महिला खिलाड़ी भी हैं। टीम के एक सदस्य गस डॉडल ने भारत आने और इतिहास का हिस्सा बनने पर खुशी और उत्साह व्यक्त किया। खो को फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से जारी एक बयान में उन्होंने कहा, एक महान खेल राष्ट्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है, हम हमेशा ऐसे खेलों को आजमाने के लिए तैयार रहते हैं जिन्हें हमने पहले नहीं खेला है और मेरे लिए यह एक अद्भुत अवसर है कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खेल मूल्यों जैसे निष्पक्ष खेल, प्रतिस्पर्धा और दृढ़ता को विश्व कप में ला पाऊं।

मैंने पाया है कि यह बहुत तेज़ और कठिन खेल है। साथ ही, यह बहुत म ोदार है और मैं वैश्विक आयोजन में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस खेल को देश के प्रशंसकों से बहुत समर्थन मिल रहा है और वे बहुत उत्साहित हैं कि एक ऑस्ट्रेलियाई टीम बहु-राष्ट्र टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेगी। उन्होंने कहा, हमें प्रशंसकों से बहुत समर्थन मिल रहा है, वे सभी यह जानकर बहुत उत्साहित हैं कि ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में है।

न्यूज ब्रीफ

नेशनल साफ्ट टेनिस के लिए चंडीगढ़ रवाना हुई उत्तर प्रदेश की टीम

लखनऊ। 19वीं जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैम्पियनशिप 27 दिसम्बर से चंडीगढ़ में शुरू हो रही है। इस चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उप्र की टीम का चयन हो गया है। इन खिखाड़ियों को बुधवार को किट वितरित किया गया। इसके साथ ही टीम चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गयी। चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने वाली टीम में बालक वर्ग में यश पटेल, अनुज पांडे, राज पांडे, साहिल सिंह, विवेक, ओमकार जोशी, आराध्य चौहान एवं प्रशांत वर्मा शामिल हैं। वहीं बालिका वर्ग में अनुष्का, खुशी, नव्या, सोनाली, जमजम, संस्कृति, रिषिभा एवं स्वास्तिका शामिल हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मृत्युंजय साहनी, कोषाध्यक्ष राजेश मिश्रा, एवं महासचिव प्रशांत शर्मा उपस्थित रहे। इन्होंने खिलाड़ियों को नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। मृत्युंजय साहनी ने उम्मीद जतायी कि चंडीगढ़ में खिलाड़ी अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन करेंगे और मेडल अपने नाम कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

ब्राजील के पूर्व डिफेंडर राफिन्हा अपने मूल क्लब कोरीतिबा में लौटे

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर राफिन्हा ने अपने मूल क्लब कोरीतिबा में मुफ्त ट्रांसफर पर फिर से शामिल होने पर सहमति व्यक्त की है। ब्राजील के सेरी बी क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने इस महीने की शुरूआत में साओ पाउलो से अलग होने के बाद इस क्लब के साथ एक साल का अनुबंध किया है, जिससे उनके पेशेवर करियर की शुरुआत हुई थी। राफिन्हा ने सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक वीडियो में कहा, मैं आपको यह बताने के लिए यहां हूं कि मैं लगभग 20 साल पहले जब मैं यहां से गया था, तो मैंने जो वादा किया था, उसे पूरा करने में मैं कभी असफल नहीं हो सकता। मैं एक बच्चे के रूप में यहां से चला गया था और आज मैं कोरीतिबा को उसके मूल स्थान पर वापस लाने में मदद करने के लिए वापस आया हूं। 2005 में राफिन्हा कोरीतिबा छोड़कर जर्मनी के शाल्के में शामिल हो गए और उसके बाद से राइट-बैक ने जेनोआ, बायर्न म्यूनिख और फ्लेमेंगो सहित अन्य क्लबों में खेला है। वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए चार बार खेल चुके हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर हुए राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान निजी कारणों से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए हैं। 26 वर्षीय राशिद अपनी पीठ की चोट के बाद अपने चिकित्सक की सलाह के अनुसार लाल गेंद वाले क्रिकेट से दूर थे और इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से चूक गए। बाद में, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने घोषणा की कि वह नवंबर तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहेंगे और इस बात पर संदेह था कि वह जिम्बाब्वे दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह बना पाएंगे या नहीं। हालांकि, राशिद को अंततः बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 26 दिसंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मंगलवार को दिग्गज लेग स्पिनर ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह नीदरलैंड में पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। उसी दिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुलावायो में अपनी टीम की पहले टेस्ट के लिए तैयारियों की तस्वीरें पोस्ट की थीं। एसीबी द्वारा शेयर की गई उन तस्वीरों में राशिद का कोई निशान नहीं था।

भारतीय हॉकी को शीर्ष पर ले जाएगा एचआईएल : ललित कुमार उपाध्याय

राउरकेला

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) टीम यूपी रुद्रास के फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय राउरकेला में वेदांत कलिंगा लांसर्स का सामना करने के लिए एक सप्ताह से प्रशिक्षण ले रहे हैं। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता, ललित अपने शुरुआती करियर को आकार देने और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह के लिए लड़ने का अवसर प्रदान करने का श्रेय एचआईएल को देते हैं।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में ललित ने कहा, जब लीग की शुरुआत हुई, तो यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच था। इससे हमें अपनी प्रतिभा दिखाने और सीधे टीम में जगह बनाने का मौका मिला।

उन्होंने लीग द्वारा प्रदान की गई वित्तीय और पेशेवर सहायता पर प्रकाश डाला, और खेल की प्रोफ़ाइल को ऊपर उठाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, इससे हमें उन दिग्गजों के साथ खेलने का अनुभव मिला जिन्हें हमने केवल टीवी पर देखा था। ऐसे आइकनों के साथ मैदान साझा करने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा और प्रतिस्पर्धी परिदृश्यों में हम और अधिक सहज हो गए। पहली एचआईएल के बाद भारत का प्रदर्शन ग्राफ ऊपर गया, और अब लीग की वापसी के साथ, मुझे यकीन है कि यह हमें शीर्ष पर ले जाएगा और हमें वहां बने रहने में मदद करेगा।

कलिंगा लांसर्स के साथ ललित की यात्रा 2013 में एचआईएल के पिछले संस्करण के दौरान शुरू हुई थी। इस मंच ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए रास्ता बनाने की अनुमति दी। लीग में अपने समय को दर्शाते हुए, ललित ने अपने तीन सबसे पसंदीदा एचआईएल क्षण साझा किए।

उन्होंने कहा, मैं 2013 में जूनियर विश्व कप के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम से बाहर था, लेकिन एक कलिंगा लांसर

के रूप में, मैंने यूपी टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ गोल किया। यह सीज़न के सर्वश्रेष्ठ गोलों में से एक था और हॉकी विश्व कप 2014 में भारतीय टीम के लिए चुने जाने का मुख्य कारण था।

उन्होंने आगे कहा, मेरी दूसरी सबसे अच्छी याद 2017 सीज़न की है। फिर, कलिंगा लांसर्स के हिस्से के रूप में, मैंने उल्लेखनीय गोल किए और टीम को खिताब जीतने में मदद की। हमारे बीच कई करीबी मुकाबले हुए, जिनमें से कई पेनल्टी शूटआउट तक चले। यूपी विजार्ड्स के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में, मैंने भारतीय हॉकी की महान दीवार, पीआर श्रीजेश को पीछे छोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण गोल किया। लेकिन मेरा सबसे अच्छा पल वह था जब कलिंगा लांसर्स ने मुझे बनाए रखने का फैसला किया और एक युवा फॉरवर्ड के रूप में लाइन का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर विश्वास दिखाया। वह भरोसा आश्वस्त करने वाला था और मुझमें आज भी वह आत्मविश्वास बना हुआ है।

हीरो एचआईएल की वापसी के साथ, ललित के साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह और सिमरनजीत सिंह के साथ-साथ यूपी रुद्रास में लार्स बाल्क, फ्लोरिस वोर्टेलबॉयर और सैम वार्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शामिल हो गए हैं। साथ में, उनका लक्ष्य ओडिशा के राउरकेला में दर्शकों के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करना है।

सीज़न को देखते हुए, ललित ने टीम की गतिशीलता और फ्रैंचाइजी समर्थन की भूमिका को लेकर कहा, एक नई टीम के साथ, तालमेल बिठाने में समय लगता है, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ते हैं, रिश्ते में स्वाभाविक रूप से सुधार होता है। फ्रैंचाइज़ी अविश्वसनीय रूप से सहायक रही है, और कोचिंग स्टाफ की विशेषज्ञता हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन करने में अमूल्य है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एमसीजी में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न

भारतीय टीम गुरुवार से यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। एमएसजी मैदान पर भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा रहा है। उससे भी टीम प्रेरित होगी। अभी तक ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने भारतीय टीम को हर हाल में इस मैच में जीत चाहिये होगी। ब्रिस्बेन टेस्ट में भारतीय टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों आकाशदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच ड्रा करा दिया था पर शीर्ष क्रम के केएल राहुल को छोड़कर अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में अब इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम के शीर्ष क्रम को भी रन बनाने होंगे। अब तक इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज रन नहीं बना पाये हैं जिससे गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव आया है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के खराब फॉर्म को देखते हुए बल्लेबाजी क्रम में उनके मध्य क्रम में उतरने की ही संभावना है। वहीं अगर रोहित पारी की शुरुआत करते हैं तो राहुल को फिर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति में शुभमन गिल को मध्य क्रम में उतरना होगा। रोहित को 2019 में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा गया था और तब से उन्होंने मध्यक्रम में खेलना बंद कर दिया था लेकिन अच्छी फॉर्म में चल रहे राहुल और पहले टेस्ट में शतक बनाने वाले यशस्वी जायसवाल से पारी की शुरुआत के कारण वह दूसरे और तीसरे मैच में छठे नंबर पर उतरे। रोहित मध्यक्रम में असफल रहे हैं। अब अगर उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जाता है तो यह देखना होगा कि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम किस प्रकार का होगा।

वहीं रोहित से जब उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इसको लेकर चिंता ना करें। हमें इस पर विचार करने की जरूरत है और यह ऐसी चीज नहीं है जिस पर मैं यहां चर्चा करूं। हम वही करेंगे जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा।

अभ्यास के दौरान दौड़ते हुए ट्रेविस हेड

मेलबर्न के एमएसजी मैदान पर अभ्यास के दौरान दौड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड।

मोहम्मद रिजवान, पीसीबी प्रमुख ने चैंपियंस ट्रॉफी कार्यक्रम की सराहना की; जय शाह उत्साहित

नई दिल्ली

पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले को देश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर करार दिया। पाकिस्तान 28 साल बाद किसी आईसीसी इवेंट की मेज़बानी करेगा, क्योंकि यहां आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट 1996 विश्व कप था, जिसका संयुक्त मेजबान भारत भी था1 पीसीबी मीडिया विज्ञप्ति में रिजवान ने कहा, एक क्रिकेट प्रेमी देश के रूप में, हम सभी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेज़बानी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह

एक शानदार अवसर है क्योंकि पाकिस्तान 28 वर्षों में अपने तटों पर पहली बार आईसीसी इवेंट का स्वागत कर रहा है और खासकर इसलिए क्योंकि हम गत विजेता हैं। हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हैं।

हाइब्रिड मॉडल का मतलब है कि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ़ मुकाबला होगा। नकवी हाइब्रिड सिस्टम के तहत शोपीस के एक हिस्से की मेजबानी पाकिस्तान द्वारा किए जाने से बहुत खुश हैं।नकवी ने विज्ञप्ति में कहा, हमें खुशी है कि समानता और सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर एक समझौता हुआ है, जो सहयोग और सहभागिता की भावना को दर्शाता है जो हमारे खेल को परिभाषित करता है। टूर्नामेंट का पहला मैच 19 फरवरी को कराची में खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड से होगा और फाइनल 9 मार्च को होगा। 50 ओवरों का यह टूर्नामेंट, जो पिछली बार 2017 में खेला गया था, में 15 मैच होंगे, जिनमें से कम से कम 10 मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में तीन मेज़बान स्थल रावलपिंडी, लाहौर और कराची होंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने की बल्लेबाजों की तारीफ

वडोदरा

वेस्टइंडीज खिलाफ तीन मैचों की एकदिनी सीरीज के दूसरे वनडे में 115 रन की जीत के बाद, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने बल्लेबाजों की जमकर तारीफ की।

दाएं हाथ की बल्लेबाज हरलीन देओल की दमदार पारी और गेंदबाजों के सामूहिक प्रयास से भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को कोटांबी स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में कैरेबियाई टीम पर 115 रनों से जीत दर्ज की।

कौर ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, हमने वही किया जिसकी हमें उम्मीद थी। जिस तरह से हमारे सलामी बल्लेबाजों ने हमें शुरुआत दी, उसके बाद हरलीन की बल्लेबाजी और जेमी ने भी टीम का साथ दिया। जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, उससे निश्चित रूप से वाकई बहुत खुश हूं। दूसरी पारी में भी, जिस तरह से मैथ्यूज बल्लेबाजी कर रही थी, उससे यह संकेत मिल रहा था कि यह पिच बल्लेबाजों के लिए बेहतर थी। हमने बोर्ड पर अच्छा स्कोर बनाया था और जिस तरह से हमारे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे

थे, हमें उन पर भरोसा था कि वे किसी भी समय विकेट लेकर मैच का रुख बदल सकते हैं। हमारे गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बीच में, हमने कुछ रन गंवाए लेकिन फिर दीप्ति ने वापसी की, रन कम बनाए रखे और फिर तीतास ने वापसी की और दूसरे छोर से विकेट लिया। 359 रनों का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने मेहमान टीम के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया, उन्होंने 109 गेंदों पर 106 रनों की शानदार पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा, लेकिन प्रिया मिश्रा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन कर भारत को जीत दिलाई। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए शीर्ष क्रम ने शानदार प्रदर्शन किया, स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, उन्होंने पहले विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी की, लेकिन मंधाना 53 रन बनाकर आउट हो गईं। अपना दूसरा वनडे खेल रही रावल ने 86 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली, जिससे भारत मजबूत स्कोर की ओर बढ़ गया। इसके बाद हरलीन देओल ने 103 गेंदों पर 115 रन बनाए और इस दौरान 16 चौके लगाए। 26 वर्षीय देओल ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 70 गेंदों पर 116 रनों की आक्रामक साझेदारी की। रोड्रिग्स ने 36 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेली, जिससे भारत ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए, जो महिला वनडे में भारत का संयुक्त सर्वोच्च स्कोर है। जवाब में, वेस्टइंडीज ने शुरुआत में चार विकेट जल्दी खो दिए, लेकिन इसके बादल कप्तान मैथ्यूज (106), शेमाइन कैम्पबेल (38), जैदा जेम्स (25) और एफी फ्लेचर (22) ने संघर्ष किया, लेकिन प्रिया मिश्रा के तीन विकेट की बदौलत भारत ने मेहमान टीम को 46.2 ओवर में 243 रनों पर समेट दिया और 115 रनों से जीत दर्ज की।

डैकोरेशन टिप्स

पार्टी के लिए करें इनोवेटिव डैकोरेशन

आप भी अपनी शादी की पार्टी की डैकोरेशन को यादगार बनाना चाहते हैं, लेकिन आप का बजट इतना नहीं है और न ही आप के यहां पर्याप्त जगह है तो निराश न हों. कुछ इनोवेटिव आइडियाज और ऐक्सपर्ट्स की मदद से आप पार्टी डैकोरेशन को शानदार बना सकती हैं.

एक ही शहर में एक ही कंपनी में काम करने वाले अनिकेत और अंकिता एकदूसरे को इस कदर भाए कि दोनों ने वैवाहिक बंधन में बंधने का फैसला कर लिया. चूंकि दोनों की नौकरी भी नईनई थी और वे अपने पेरैंट्स पर भी आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहते थे, इसलिए दोनों ने शादी के आयोजन पर बहुत अधिक खर्च करने के बजाय पहले कोर्ट मैरिज की और बाद में घर पर ही एक पार्टी के आयोजन का निर्णय लिया.

इस पार्टी में वे अपने पेरैंट्स, नजदीकी रिश्तेदारों व खास दोस्तों को शामिल करना चाहते थे लेकिन अनिकेत और अंकिता के सामने सब से बड़ी समस्या यह थी कि छोटी जगह में घर पर ही कम बजट में पार्टी की डैकोरेशन बेहतर ढंग से कैसे करें.

वैडिंग प्लानर नीता सोनी का. नीता सोनी ने बताया कि घर में पार्टी की डैकोरेशन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए.

- पार्टी छत पर करना चाहते हैं या घर के अंदर
- पार्टी में आने वाले मेहमानों की संख्या कितनी है
- पार्टी दिन में करना चाहते हैं या रात में
- पार्टी डैकोरेशन का बजट कितना है
- बजट तय करने के बाद यह निर्धारित कर लें कि किन चीजों पर कम और किन पर अधिक खर्च करना है. मसलन, फूलों पर अधिक और लाइट्स पर कम, अपहोलस्ट्री पर अधिक और डैकोरेटिव आइटम्स पर कम खर्च करेंगे.
- पार्टी की तैयारी के लिए आप दोस्तों व रिश्तेदारों की मदद लेंगे या प्रोफैशनल मदद लेंगे. यह आप के बजट पर निर्भर करेगा. अगर बजट कम है तो दोस्तों, रिश्तेदारों की मदद लें और बजट थोड़ा अधिक है तो आसपास के लोकल डैकोरेटर की भी मदद ले सकते हैं.

डैकोरेशन के शानदार आइडियाज

- कलरफुल दुपट्टों, नैट व सिल्क की साड़ियों से घर की दीवारों और खिड़कियों को इंद्रधनुषी लुक दें.
- परंपरागत तरीके से घर की डैकोरेशन करना चाहते हैं तो गेंदे, गुलाब व रजनीगंधा के फूलों से घर को सजाएं. अगर आधुनिक तरीके से सजावट करना चाहते हैं तो एक्जोटिक और्किड, लिली व कारनेशन के फूलों का चयन करें.
- फ्रैश फ्लावर न मिलें तो ड्राइफ्लावर और ट्विस्टेड स्ट्रिक्स को भी लें. कांच या मिट्टी के वास में सजा कर डैकोरेशन को डिफरैंट लुक दें.
- फूलों के बुके को रिबन व नैट फैब्रिक से बांध कर साइड टेबल और डाइनिंग टेबल पर रख कर भी आप घर की शोभा बढ़ा सकते हैं.
- फूलों की लड़ियां बना कर प्रवेश द्वार पर बंदनवार की तरह लगा सकते हैं.
- कमरे में अगर जगह कम हो और आप कुरसियों के खर्च को बचाना चाहते हैं, तो कमरे में लोअर सीटिंग अरेंजमैंट करें. लोअर सीटिंग को और आकर्षक बनाने के लिए टाई ऐंड डाई, बीड्स, जरदोजी वर्क, सिल्क, वैल्वेट या टिश्यू वाले कुशन व मसनद का प्रयोग करें.
- पार्टी के स्थान पर इनडोर बोनसाई प्लांट्स रखें. यह आप की डैकोरेशन को इकोफ्रैंडली लुक देगा.
- पार्टी सजावट में सैंटेड कैंडल्स व फ्लोटिंग कैंडल्स को भी स्थान दें. यह पार्टी के माहौल को कूल व फ्रैश इफैक्ट देगा.
- मिट्टी के बड़े से वास पर ब्रौंज, सिल्वर, गोल्डन व कौपर कलर कर के आर्टिफिशियल फ्लावर स्ट्रिक्स लगाएं. यह आप की डैकोरेशन को कलात्मक रूप देगा.

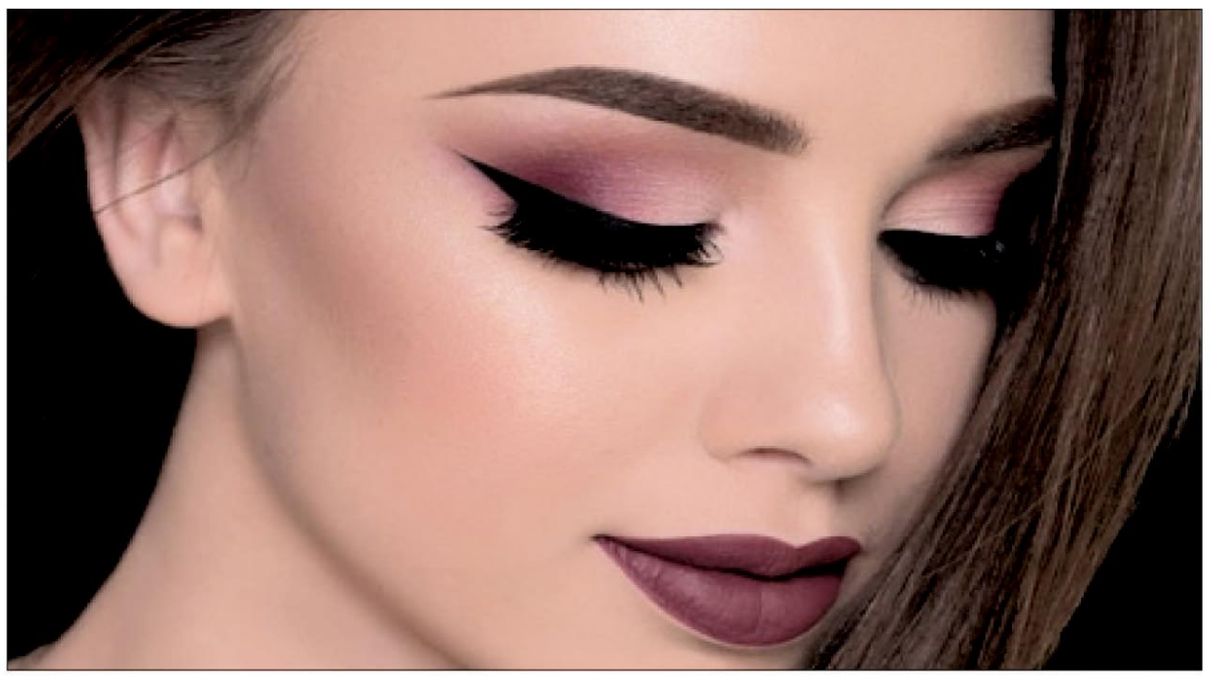

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

मौसम के साथ साथ त्वचा की आवश्यकताएं भी बदल जाती है. सर्दियों के मौसम में हमारें त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि इस मौसम में हमारी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है. खुश्की त्वचा पर मेकअप कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है. सर्दियों के कुछ महीने अपने मेकअप के साथ कुछ नया करने के महीने होते हैं. जो मेकअप गर्मियों में आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगते, हो सकता है वही ठण्ड में आपको एक नया लुक दें. यहां कुछ आसान से नुस्खे दिए जा रहे हैं जो कंपकंपाती ठंड में भी आपको खूबसूरत और रूप की मालिका बनाये रखेंगी.

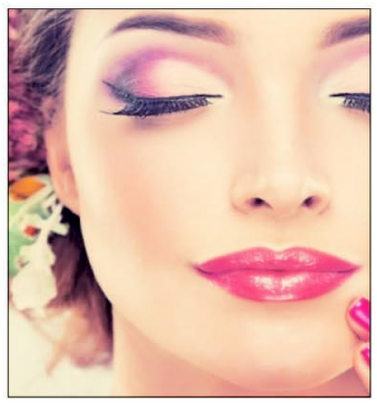

चेहरें का मेकअप

सर्दियों में साबुन से चेहरा न धोएं. इससे चेहरे पर रूखापन बढ़ जाएगा. दिन में दो बार क्लीजिंग मिल्क से त्वचा की सफाई करे, इसके बाद किसी अच्छे माइस्चराइजिंग साबुन या फेस वाश से चेहरे को धोएं, चेहरे का मेकअप करते समय ये ध्यान रखें कि बाहर चाहे कितनी भी ठण्ड हो, सिर्फ उसी फाउंडेशन या माइस्चराइसर का प्रयोग करें जिसमें spf की अधिक मात्रा हो.

आंखो का मेकअप

अगर आप अपने चेहरे के किसी भाग को अलग से आकर्षक लुक देने की सोच रही हैं तो आंखों की और ध्यान दें.

मस्कारा

सर्दियों के मौसम में नीले और जामुनी जैसे अलग रंग आपकी आंखो पर काफी खिलेंगे. इस तरह के डार्क रंगो का इस्तेमाल कर अपनी आंखों को मस्करा लगाएं. इस तरह का प्रयोग करके आप अपनी आखों को और भी खूबसूरत रूप दें सकेंगी.

आई लाइनर

मेकअप गुरु हमेशा ठण्ड में आंखों के सजावट पर ध्यान देने की सलाह देते हैं. पलकों के ऊपर चारकोल लाइनर या चाकलेट ब्राउन आई पेंसिल का प्रयोग करने से आपकी आँखें भीड़ से अलग दिखेंगी. ठण्ड के मौसम में काले रंग को छोड़कर चाकलेट ब्राउन, जंगल ग्रीन या नेवी ब्लू को अपना आई लाइनर चुनें. इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए बिलकुल हल्के रंग के लिपस्टिक का प्रयोग करें.

आई शैडो

ठण्ड के मौसम में आमतौर पर चमकीले कलर का आई शैडो प्रयोग करना अच्छा रहता है ये आपकी खुबसुरती को और बढ़ाता है. भूरे रंग का आई शैडो एक अलग तरह के आकर्षक लुक को बनाए रखने में मदद करता है. इसके आलावा हल्के काले आई लाइनर के साथ अगर सुनहरे और सफेद रंग के मिश्रण वाला आई लाइनर प्रयोग किया जाए तो यह आपकी आंखो पर और भी ज्यादा शानदार दिखाई पड़ेगा.

खूबसूरत होठों के टिप्स

सर्दियों में जिस रंग के साथ आप सबसे ज्यादा प्रयोग कर सकते हैं वो है लाल. आपकी स्किन टोन जो भी हो,लाल हर तरह के चेहरे पर अच्छा लगता है. होंठों पर लिपस्टिक लगाने के पहले कोई क्रीम या लिपलास लगा लें जिससे होंठों की नमी बरकरार रहे. अब आप 5 मिनट बाद अपने पसंद की लिपस्टिक लगाये और इसके बाद सही प्रकार के लिप लाइनर का इस्तेमाल करें.

पक्षियों के साथ लें छुट्टियों का मजा

प्रकृति प्रेमी ज्यादातर अपना समय प्रकृति के बीच में बिताना पसंद करते हैं और यही वजह है कि ऐसे लोगों की वजह से दुनिया की कुछ जगह पर्यटन स्थल बन गई हैं. आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पक्षियों को तथा अनेकों प्रकार के जीवों को आप देख सकती हैं और वहां जाकर रोमांच का भी भरपूर मजा ले सकती हैं.

भरतपुर पक्षी अभयारण्यः पक्षी प्रेमियों के लिए राजस्थान भरतपुर में बना केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान भी एक बेहतर स्थान साबित हो सकता है. सर्दियों के मौसम में अक्टूबर से फरवरी तक घूमने का एक अलग ही मजा है, क्योंकि इन महीनों में यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं. पक्षी प्रेमी यहां क्रेन, पेलिकन, गुई, बतख, ईगल्स, वाग्टेल्स और वौर्बलर्स जैसे पक्षियों को आसानी से देख सकते हैं. इस सीजन में स्थानीय पक्षियों के अलावा बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी भी होते हैं, जिनमें ज्यादातर पक्षी मध्य एशिया के होते हैं.

सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्यः हरियाणा में स्थित सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है. यहां पर पक्षी देखने के लिए सर्दी का समय काफी अच्छा माना जाता है. इसलिए पक्षी प्रेमी यहां पर अक्टूबर से लेकर फरवरी के महीने में घूम सकते हैं. यहां उत्तरी पिंटेल, ग्रेटर फ्लेमिंगो, एशियाई कोयल, पीला वाग्टेल, रोज़ी पेलिकन, यूरेशियन विजेन, कौमन टील और साइबेरियन क्रेन जैसी पक्षी बहुत प्यारे लगते हैं. सर्दियों में बड़ी संख्या में वदिशी पर्यटक भी घूमने आते हैं और कैमरों में पक्षियों को कैद करते हैं.

चिल्का झील पक्षी अभयारण्यः ओडिशा का चिल्का झील भी पक्षी प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थान है. सर्दियों में घूमने का एक अलग ही मजा है. पिअर-आकार में बनी चिल्का झील घूमने का अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक का है. यहां पर समुद्री ईगल्स, ग्रेलेग गुइज और बैंगनी मूरिन जैसी अनोखी प्रजातियों के पक्षियों का जमावड़ा रहता है. इस झील में कई छोटे द्वीप हैं, जिनमें रंग-बिरंगे पंखों वाले पक्षियों को उड़ते हुए कैमरे में कैद करना काफी अच्छा लगता है।

जानकारी

आयरन की कमी को न करें नजरअंदाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी महिलाएं हों या गृहिणियां हमेशा अपने स्वास्थ्य को इग्नोर करती हैं. वे दिन भर इतनी व्यस्त रहती हैं कि उन्हें खुद पर ध्यान देने का मौका ही नहीं मिलता. कई बार उन्हें थकान महसूस होती है, मगर ज्यादा काम का बहाना बना कर वे उसे नजरअंदाज कर देती हैं. जबकि अकसर थकान का आभास होना शरीर में आयरन की कमी होने का संकेत होता है.

यदि ज्यादा समय तक इस स्थिति को नजरअंदाज किया जाए तो धीरे धीरे शरीर में खून की कमी होने लगती है और महिलाएं ऐनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. उन के हीमोग्लोबिन का स्तर नीचे चला जाता है. ऐसे में छोटी से छोटी बीमारी से भी उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है. शरीर को चुस्त दुरुस्त रखने में आयरन की खास भूमिका है. असल में हीमोग्लोबिन के सबसे जरूरी घटक के रूप में आयरन पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है. शरीर के हर सेल को एनर्जी पाने के लिए ऑक्सीजन की जरुरत होती है और सेल्स की यह जरुरत पूरी करने में आयरन मदद करता है. आयरन के बिना शरीर थका और सुस्त सा रहता है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी है. आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से ऐनीमिया हो सकता है. इसे आयरन की कमी वाला ऐनीमिया कहा जाता है. इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है.

अगर महिलाएं अपनी जीवनशैली में ये बदलाव करें तो यकीन मानिए उनके शरीर में आयरन की कमी कभी नहीं होगी।

- यदि आप शाकाहारी हैं, तो अपने भोजन में मसूर की दाल, फलियां, चना, सेम, छोला और पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और फूलगोभी का प्रयोग करें. इन सभी में आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है.
- यदि आप मांसाहारी हैं, तो ऑयस्टर, बीफ लीवर, चिकन और लीन बीफ जैसे कई विकल्प आपके लिए हैं. ये सभी आपके भोजन में आयरन की कमी को पूरा करते हैं.
- अगर आपको रोज सुबह कौलेज या औफिस के लिए निकलना हो और आपके पास नाश्ता बनाने का समय न हो, तो अपनी सुबह की दिनचर्या में रोटी और ब्रेड को शामिल करें. इन दोनों में आयरन की अतिरिक्त मात्रा होती है जो आपके लिए फायदेमंद है.
- क्या आपको मीठा पसंद है? अगर हां तो डार्क चौकलेट आपके लिए ही है. ये न केवल आपकी भूख मिटाएगी बल्कि आपके शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करेगी.
- आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त आपको विटामिन सी की भी आवश्यकता होती है. इसके लिए आप ब्रोकोली और स्ट्रॉबेरी का सेवन करना चाहिए और साथ में संतरे का जूस भी हो तो मजा आ जाएगा.
- अगर आपको चाय या कॉफी पसंद है तो ध्यान रखें की कभी भी इन्हें अपने भोजन के साथ न लें. खाने के साथ या उसके बाद चाय या कॉफी पीने से इसमें मौजूद टैनिन खाने में पाए जाने वाले आयरन के अब्जॉर्बशन को कम करता है.
- अपनी जीवनशैली में इन सभी परिवर्तनों के अलावा आप डॉक्टर की सिफारिश पर अपनी दिनचर्या में लिवोजिन जैसा बेहतरीन आयरन सप्लीमेंट भी जोड़ सकते हैं. यह आसानी से उपलब्ध है और आपकी आयरन की कमी से लड़ने में सहायता करेगा.

बच्चों में डालें पढ़ने की आदत

आजकल सभी मातापिता यह शिकायत करते हैं कि बच्चे स्मार्टफोन, टैबलेट, टीवी या फिर मोबाइल पर गेम्स खेलने में लगे रहते हैं. मंजीत कहते हैं, ''एक हमारा जमाना था जब हम पढ़ते हुए कभी नहीं थकते थे.'' साथ में बैठी उन की पत्नी फौरन बोल उठीं, ''मुझे तो मीकू, चीकू बहुत पसंद थे.'' बालपुस्तकों की कमी आज भी नहीं, किंतु आज की पीढ़ी पढ़ने का खास शौक नहीं रखती है. कहीं इस के जिम्मेदार हम ही तो नहीं? पहले इतनी तकनीक हर हाथ में उपलब्ध नहीं होती थी कि बच्चे किताबों के अलावा मन लगा पाते. आजकल गैजेट्स हर छोटेबड़े हाथ को आसानी से प्राप्त हैं.

अपने नन्हे को पढ़ कर सुनाएं

अपने नन्हेमुन्ने का अपने जीवन में स्वागत करने के कुछ वर्षों बाद ही आप उसे कहानी पढ़ कर सुनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दें. इस से न केवल आप का अपने बच्चे से बंधन मजबूत होगा बल्कि स्वाभाविक तौर पर उसे पुस्तकों से प्यार होने लगेगा. उम्र के छोटे पड़ाव से ही किताबों के साथ से बच्चों में पढ़ने की अच्छी आदत विकसित होती है. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट आप अपने बच्चों के साथ मिल कर बैठें और पढ़ें. पुस्तकों में कोई रोक न रखें, जो आप के बच्चे को पसंद आए, उसे वह पढ़ने दें.

पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

बच्चा तेजी के साथ किताब पढ़ पाए, यह हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जो कुछ वह पढ़ रहा है, उसे समझ भी सके. इस के लिए आप को बीचबीच में कहानी से संबंधित प्रश्न करना चाहिए. इस से बच्चा न केवल पढ़ता जाएगा, बल्कि उसे समझने की कोशिश भी करेगा. आप ऐसे प्रश्न पूछें, जैसे अब आगे क्या होना चाहिए, क्या फलां चरित्र ठीक कर रहा है, यदि तुम इस की जगह होते तो क्या करते. ऐसे प्रश्नों से आप का बच्चा कहानी में पूरी तरह भागीदार बन सकेगा तथा उस की अपनी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

बच्चे के रोलमॉडल बनें

यदि आप का बच्चा बचपन से पढ़ने का शौकीन है तब भी घर में किसी रोलमौडल की अनुपस्थिति उसे इधरउधर भटकने पर मजबूर कर सकती है. आप स्वयं अपने बच्चे के रोलमौडल बनें और उस की उपस्थिति में अवश्य पढ़े. चाहे आप को स्वयं पढ़ना बहुत अधिक पसंद न भी हो तब भी आप को प्रयास करना होगा कि बच्चे के सामने आप पढ़ते नजर आएं. क्या पढ़ते हैं, यह आप की इच्छा है, लेकिन आप के पढ़ने से आप का बच्चा यह सीखेगा कि पढ़ना उम्र का मुहताज नहीं होता और हर उम्र में इंसान सीखता रह सकता है.

आसपास देख कर सिखाइए

छोटे बच्चे बिना पढ़े ही क्रीम की बोतल के नाम, शैंपू के नाम, उन के पसंदीदा रैस्तरां, जैसे डोमिनोज का नाम आदि जान जाते हैं. कैसे? चिह्नों द्वारा. मीनल बताती हैं कि उन की डेढ़ वर्षीय बिटिया ढेर सारे चिह्न (कंपनियों के लोगो) पहचानती है और उन की कंपनियों के नाम बता देती है तो जब उन के दूसरा बच्चा होने का समय निकट आया, उन्होंने नवजात शिशु की कौट के ऊपर उस के नाम के अक्षर टांग दिए. इस का असर यह हुआ कि न केवल उन की बड़ी बिटिया नाम की स्पैलिंग सीख गई, बल्कि छोटी भी बहुत जल्दी वर्णमाला सीख गई. तकनीकी भाषा में इसे 'एनवायरनमैंटल प्रिंट' कहते हैं अर्थात चिह्नों की सहायता से बच्चे, बिना पढ़े ही, भिन्न रैस्तरां, सौंदर्य प्रसाधन, ट्रैफिक सिग्नल, कपड़े, पुस्तकें आदि पहचानने लगते हैं और उन में भेद कर सकते हैं. नन्हे बच्चों की उत्सुक प्रवृत्ति का लाभ उठाते हुए आप उन्हें न केवल किसी चीज का शाब्दिक अर्थ बल्कि सामाजिक महत्त्व तथा उपयोग भी बता सकते हैं. अपने आसपास की चीजें देख वे प्रश्न करेंगे और आप उत्तर के द्वारा उन्हें कई चीजें सिखा सकते हैं.

भिन्न प्रकार की पुस्तकों को बनाएं मित्र

जब आप का बच्चा पढ़ने लगे, तब आप उसे भिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने को दें, जैसे अक्षर ज्ञान वाली पुस्तकें, बाल कहानियां, कविताओं की पुस्तकें आदि. साथ ही, वह एक प्रकार की कहानियों को दूसरी से अलग करने में अपने दिमाग में विचारों को बनाना व संभालना सीखेगा.

खेलखेल में

कई खेलों द्वारा आप अपने छोटे बच्चे को पढ़ने की ओर आकर्षित कर सकती हैं. दिल्ली की प्रेरणा सिंह कहती हैं, ''हर शुक्रवार वे अपनी सोसाइटी में 5 से 7 साल के बच्चों के लिए 'फन फ्राइडे' मनाती हैं. यहां वे बच्चों की टोली को अलगअलग टीम में विभाजित कर खेलों द्वारा पढ़ने की ओर उन का रुझान पैदा करती हैं. इस के लिए वे कई खेलों का सहारा लेती हैं. वे कहती हैं, ''केवल स्कूली पढ़ाई ही जीवन में काम नहीं आती. जो कुछ हम अपने वातावरण से सीखते हैं, वही हमारा व्यक्तित्व बनता है और जिंदगी में हमारे काम आता है.''

डिजिटल बनाम प्रिंट

वर्ष 2013 से 2015 तक नाओमि बैरोन द्वारा किए गए शोध में 5 देशों-भारत, जापान, अमेरिका, जरमनी व स्लोवेनिया के 429 विश्ववि-ालयों के छात्रों से जब डिजिटल बनाम कागज की किताबों की तुलना करने को कहा गया तो छात्रों की प्रतिक्रिया थी कि उन्हें कागज की खुशबू भाती है. उन्हें कागज को छूने, देखने, पकड़ने से आभास होता है कि वे पढ़ रहे हैं. प्रिंट उन्हें बेहतर समझ में आता है और अधिक याद रहता है.

सोशल मीडिया का असर

सोशल मीडिया पर ज्ञान तो बहुत है पर सही या गलत, इस का कोई प्रमाण नहीं है. जिस के जो दिल में आता है, वह उस का औडियो या वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है।

रेसिपी

मैगी पकौड़ा

सामग्री

300 मिली पानी, 2 पैकेट मैगी, 2 पैकेट मैगी मसाला, 70 ग्राम पत्तागोभी, 70 ग्राम प्याज, 70 ग्राम शिमला मिर्च, 25 ग्राम धनिया, 1 टीस्पून नमक , 2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 45 ग्राम सूजी, 35 ग्राम बेसन, 2 टेबलस्पून पानी

विधि एक पैन में पानी डालकर उबालें. अब इसमें मैगी और मैगी मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करें और पकाएं. बाद में बाउल में निकाल लें. अब इसमें पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च, धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, सूजी, बेसन और पानी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. थोड़ा-सा मिक्सचर लेकर छोटी-छोटी बाल्स बना लें और साइड रख दें. अब एक पैन में तेल गर्म कर इन्हें अच्छे से फाई करें. इन्हें तब तक फाई करें जब तक इनका रंग हल्का गोल्डन ब्राउन न हो जाएं. मैगी पकौड़े तैयार हैं. इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें.

स्पाइसी पनीर काठी रोल्स

सामग्री

1 कप प्याज बारीक कटा हुआ, 1 कप बींस बारीक कटी हुई, 1 कप गाजर बारीक कटी हुई, 1 कप बंदगोभी बारीक कटी हुई, 1 छोटा चम्मच अदरक कसा हुआ, 1 छोटा चम्मच लहसुन कसा हुआ, 250 ग्राम पनीर के टुकड़े, 1 कप टोमैटो कैचप, नमक , काली मिर्च स्वादानुसार

सामग्री रोटी के लिएः 500 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक , 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 कप पिघला मक्खन , पानी मैदा गूंधने के लिए

विधि रोटी की सामग्री गूंध कर लोइयां बना लें और बड़े आकार की चपातियां बना कर एक तरफ रख लें. अब कड़ाही में तेल गरम कर, अदरक, लहसुन, वैजिटेबल्स, नमक व कालीमिर्च मिला कर 5-7 मिनट पकाएं. इस के बाद पनीर व टोमैटो कैचप मिला कर भरावन के लिए सामग्री तैयार कर लें. रोल बनाने के लिए हरेक चपाती के बीच में भरावन रखें. फिर उन के ऊपर पुदीना चटनी और प्याज के टुकड़े रख कर रोल बना लें. परोसने से पहले, रोल्स को ओवन में गरम कर लें और गरम गरम प्याज और पुदीना चटनी के साथ परोसें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**